गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 228
दि. 19.12.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

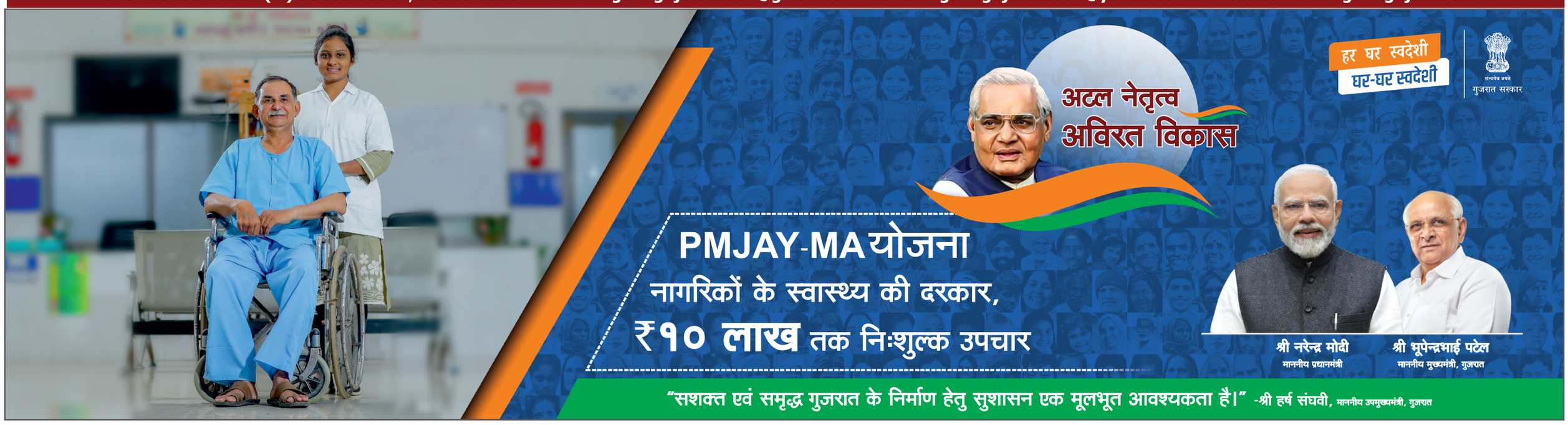

कांग्रेस की सियासी जमीन खिसकी, भाजपा में बड़े नेताओं की एंट्री से महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल

(जीएनएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में गुरुवार का दिन कांग्रेस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं रहा। जिस समय राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की सरगर्मी तेज है, ठीक उसी वक्त कांग्रेस को ऐसा आघात लगा जिसने पार्टी की अंदरूनी मजबूती और भविष्य की रणनीति दोनों पर सवाल खड़े कर दिए। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य प्रज्ञा सातव ने न सिर्फ पार्टी से नाता तोड़ा, बल्कि एमएलसी पद से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। उनके साथ सोलापुर जिले के पूर्व विधायक दिलीप माने भी भाजपा में शामिल हो गए। इस राजनीतिक घटनाक्रम ने राज्य की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है।

मुंबई स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुए सादे लेकिन राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम कार्यक्रम में प्रज्ञा सातव और दिलीप माने का भाजपा में औपचारिक स्वागत किया गया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए भरोसा दिलाया कि उन्हें पार्टी में सम्मानजनक भूमिका दी जाएगी और उनके अनुभव का उपयोग राज्य के विकास के लिए किया जाएगा। मंच से दिए गए बयानों में साफ झलक रहा था कि भाजपा इस घटनाक्रम को केवल एक पार्टी जॉइनिंग नहीं, बल्कि कांग्रेस पर रणनीतिक बढ़त के तौर पर देख रही है।

प्रज्ञा सातव के भाजपा में शामिल होने के साथ ही हिंगोली जिले से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। उनके साथ सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हुए। इनमें पूर्व जिला परिषद सदस्य शिवाजीराव मस्के, जिला प्रवक्ता विलास गोरे, तालुका अध्यक्ष भगवत चव्हाण, पंकज जाधव समेत कई स्थानीय नेता शामिल हैं। इसी तरह दिलीप माने के साथ सोलापुर जिले से पूर्व नगरसेवक जयकुमार माने, नागेश टकमोगे, दादाराव टकमोगे, प्रथमेश

पाटिल, आनंद देते और कांग्रेस यूथ अध्यक्ष पृथ्वीराज माने जैसे कई कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हुए। यह साफ संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन के कमजोर होने का भी संकेत है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में देश और महाराष्ट्र जिस विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है, उसमें योगदान देने की भावना से प्रेरित होकर इन नेताओं ने भाजपा का दामन थामा है। उन्होंने स्वर्गीय राजीव सातव को याद करते हुए कहा कि वे एक संवेदनशील और जनसमस्याओं को समझने वाले नेता थे। चव्हाण ने यह भी कहा कि उन्हें गर्व है कि प्रज्ञा सातव, राजीव सातव की सामाजिक सेवा और विकास की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए भाजपा के मंच से काम करेंगी।

राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने अपने संबोधन में कहा कि प्रज्ञा सातव ने दो दशक से अधिक समय तक स्वर्गीय राजीव सातव के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सामाजिक कार्य किए हैं। उनका भाजपा में आना केवल पार्टी परिवर्तन नहीं, बल्कि हिंगोली जिले के विकास के लिए लिया गया एक व्यावहारिक और दूरदर्शी निर्णय है। बावनकुले ने भरोसा दिलाया कि राजीव सातव के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए भाजपा पूरी मजबूती से प्रज्ञा सातव के साथ खड़ी रहेगी।

प्रज्ञा सातव ने खुद अपने फैसले को भावनात्मक और विकास से जुड़ा बताया। उन्होंने कहा कि उनके पति स्वर्गीय राजीव सातव ने हिंगोली जिले के विकास के लिए हमेशा संघर्ष किया और कई सपने अधूरे रह गए। उन सपनों को पूरा करने और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में चल रहे विकास कार्यों में सहयोग देने के उद्देश्य से उन्होंने भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है। वहीं दिलीप माने ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री फडणवीस की कार्यशैली, नेतृत्व और भाजपा की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी में आए हैं।

प्रज्ञा सातव का पार्टी बदलना इसलिए भी कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि राजीव सातव राहुल गांधी के बेहद करीबी और भरोसेमंद नेताओं में गिने जाते थे। 2014 की मोदी लहर में जब महाराष्ट्र से कांग्रेस के केवल दो सांसद चुने गए थे, उनमें राजीव सातव भी शामिल थे। इसके बाद उन्होंने दिल्ली की राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाई और राहुल गांधी ने उन्हें गुजरात कांग्रेस का प्रभारी बनाया, जहां उनके नेतृत्व में पार्टी ने अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया था। लेकिन 2021 में कोरोना संक्रमण के कारण उनका असमय निधन हो गया। इसके बाद प्रज्ञा सातव ने न सिर्फ राजनीतिक विरासत संभाली, बल्कि महाराष्ट्र कांग्रेस की उपाध्यक्ष के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई।

प्रज्ञा सातव दो बार विधान परिषद की सदस्य रह चुकी हैं। 2021 में हुए उपचुनाव में वे निर्विरोध एमएलसी चुनी गई थीं और 2024 में उन्हें दूसरी बार विधान परिषद के लिए चुना गया था, जिसमें उनका कार्यकाल 2030 तक था। ऐसे में बीच कार्यकाल में इस्तीफा देकर भाजपा में जाना कांग्रेस के लिए संगठनात्मक और नैतिक दोनों स्तरों पर बड़ा झटका माना जा रहा है, खासकर तब जब राज्य में 29 नगर निगमों के चुनाव सिर पर हैं।

इस पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया भी तीखी रही। वरिष्ठ कांग्रेस नेता नाना पटोले ने नागपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा पर सत्ता के नशे में घमंड करने और लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रज्ञा सातव को क्या लालच दिया गया होगा, यह समय आने पर सामने आएगा, लेकिन जो हुआ वह गलत है। पटोले ने दावा किया कि भाजपा पैसे और पदों का लालच देकर कांग्रेस नेताओं को तोड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस-मुक्त भारत की बात करते थे, लेकिन अब कांग्रेस को भाजपा में ही शामिल कर लिया जा रहा है। पटोले ने यह भी दावा किया कि अगर भविष्य में कांग्रेस सत्ता में आई, तो भाजपा बहुत कम समय में खाली हो जाएगी। कुल मिलाकर, प्रज्ञा सातव और दिलीप माने का भाजपा में जाना सिर्फ दो नेताओं का पार्टी बदलना नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र की राजनीति में बदलते समीकरणों, कांग्रेस की कमजोर होती पकड़ और भाजपा की आक्रामक रणनीति का संकेत देता है। आने वाले नगर निगम चुनावों और आगे की राज्य राजनीति में इसका असर कितना गहरा होगा, यह आने वाला समय बताएगा, लेकिन फिलहाल इतना तय है कि इस घटनाक्रम ने कांग्रेस को जोर का झटका जरूर दे दिया है।

बांग्लादेश की बदलती सियासत भारत के लिए नई रणनीतिक चुनौती, इस्लामी कट्टरपंथ और चीन-पाकिस्तान की बढ़ती भूमिका पर संसद समिति की चेतावनी

(जीएनएस)। नई दिल्ली। बांग्लादेश में तेजी से बदलते राजनीतिक और रणनीतिक हालात को लेकर भारत की चिंता और गहरी हो गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की संसदीय समिति ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति को 1971 के बाद भारत के लिए सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती करार दिया है। समिति का आकलन है कि यह संकट केवल किसी तात्कालिक राजनीतिक अस्थिरता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरे और दीर्घकालिक बदलाव की ओर इशारा करता है, जिसमें इस्लामी कट्टरपंथ का उभार, चीन और पाकिस्तान का बढ़ता प्रभाव और शेख हसीना की अवामी लीग की कमजोर होती राजनीतिक पकड़ शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1971 में भारत के सामने जो चुनौती थी, वह अस्तित्व और मानवीय संकट से जुड़ी थी, लेकिन मौजूदा हालात अलग प्रकृति के हैं। आज बांग्लादेश में एक पीढ़ीगत बदलाव देखा जा रहा है, जहां राजनीतिक सोच, सत्ता संरचना और विदेश नीति के झुकाव में परिवर्तन हो रहा है। यह बदलाव धीरे-धीरे भारत से दूरी और अन्य क्षेत्रीय व वैश्विक ताकतों के करीब जाने की दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है, जिसे भारत

के दीर्घकालिक हितों के लिए गंभीर चेतावनी माना गया है।

समिति का मानना है कि बांग्लादेश में हालात पूरी तरह अराजकता की ओर नहीं बढ़ेंगे, लेकिन भारत को हर कदम बेहद सतर्कता और सूझबूझ के साथ उठाने की जरूरत है। रिपोर्ट में सरकार को सुझाव दिया गया है कि केवल कूटनीतिक दबाव या प्रतिक्रियात्मक नीति के बजाय विकास सहयोग, आर्थिक भागीदारी और कनेक्टिविटी के जरिए बांग्लादेश के साथ रिश्तों को मजबूत किया जाए। समिति ने साफ कहा है कि बांग्लादेश के विकास में भारत की सक्रिय और सकारात्मक भूमिका ही इस जटिल स्थिति का स्थायी समाधान बन सकती है।

रिपोर्ट में पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में रहने को भारत की मानवीय परंपरा के अनुरूप बताया गया है। समिति ने कहा है कि भारत हमेशा मुश्किल परिस्थितियों में फंसे लोगों को मानवीय आधार पर शरण देता रहा है और सरकार को अपने इस सिद्धांत और मूल्यों पर कायम रहना चाहिए। हालांकि साथ ही यह भी कहा गया है कि इस पूरे मामले को अत्यंत संवेदनशीलता और रणनीतिक समझदारी के साथ संभालना जरूरी है, ताकि इससे द्विपक्षीय संबंधों पर अनावश्यक दबाव न पड़े।

बांग्लादेश के पाकिस्तान के साथ बदलते रिश्तों और चीन की बढ़ती मौजूदगी को समिति ने भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता बताया है। रिपोर्ट में मोंगला पोर्ट के विस्तार, लालमोनिरहाट एयरबेस और पेकुआ में बने सबमरीन बेस का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। समिति का कहना है कि ये परियोजनाएं केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके दूरगामी रणनीतिक और सैन्य निहितार्थ भी हो सकते हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि चीन बांग्लादेश में सभी राजनीतिक और सामाजिक वर्गों से संपर्क बढ़ा रहा है, जिसमें पहले प्रतिबंधित रही जमात-ए-इस्लामी भी शामिल है। जमात-ए-इस्लामी के प्रतिनिधियों की चीन यात्राओं का उल्लेख करते हुए समिति ने चेतावनी दी है कि भारत को बांग्लादेश में किसी भी विदेशी शक्ति द्वारा सैन्य ठिकाना बनाने की कोशिशों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। साथ ही भारत को चाहिए कि वह बांग्लादेश के लिए विकास, व्यापार और कनेक्टिविटी के ऐसे ठोस और आकर्षक विकल्प पेश करे, जो उसे बाहरी ताकतों पर अत्यधिक निर्भर होने से रोक सकें।

रिपोर्ट में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में आए हालिया बदलावों पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। पहले प्रतिबंधित रही जमात-ए-इस्लामी का चुनावी पंजीकरण बहाल कर दिया गया है, जिससे वह आगामी चुनावों में हिस्सा ले सकेगी। इसके उलट अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे उसके चुनाव लड़ने का रास्ता बंद हो गया है। समिति का मानना है कि अवामी लीग पर लगाया गया यह प्रतिबंध भविष्य के चुनावों की समावेशिता और लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता है।

कुल मिलाकर संसदीय समिति की यह रिपोर्ट बांग्लादेश को लेकर भारत के सामने उभर रही नई रणनीतिक चुनौतियों का स्पष्ट संकेत देती है। यह सिर्फ सुरक्षा या कूटनीति का मामला नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन, लोकतांत्रिक मूल्यों और दीर्घकालिक पड़ोसी संबंधों से जुड़ा प्रश्न है। समिति का संदेश साफ है कि भारत को जल्दबाजी या टकराव के बजाय दूरदर्शी नीति, विकास साझेदारी और सतत संवाद के जरिए इस चुनौती का सामना करना होगा।

बालेशाह पीर दरगाह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, अवैध निर्माण पर अब देश की सर्वोच्च अदालत की सीधी नजर

(जीएनएस)। महाराष्ट्र के मीरा–भायंदर क्षेत्र में स्थित बालेशाह पीर दरगाह को लेकर चल रहा विवाद अब निर्णायक मोड़ की ओर बढ़ता दिख रहा है। नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तन गांव स्थित कथित अवैध बालेशाह पीर दरगाह के खिलाफ दाखिल एडवोकेट खुश खंडेलवाल की हस्तक्षेप याचिका को स्वीकार करते हुए इसे दरगाह ट्रस्ट की याचिका के साथ जोड़कर सुनवाई करने का आदेश दिया है। इस फैसले के साथ ही मामला अब सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष एक साथ सुना जाएगा, जिससे पूरे विवाद की परत-दर-परत जांच का रास्ता खुल गया है। हिंदू टास्क फोर्स के संस्थापक खुश खंडेलवाल लंबे समय से इस मुद्दे को कानूनी और सामाजिक दोनों स्तरों पर उठा रहे हैं। उन्होंने पहले बॉम्बे हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर उत्तन गांव में कथित अवैध रूप से बनी बालेशाह पीर दरगाह को हटाने की मांग की थी। यह याचिका अभी हाईकोर्ट में लंबित है। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि दरगाह ट्रस्ट ने जानबूझकर खुश खंडेलवाल को प्रतिवादी नहीं बनाया और सीधे सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश हासिल कर लिया, जिससे हाईकोर्ट में चल रही जनहित याचिका की प्रक्रिया प्रभावित हुई। इसी आधार पर खंडेलवाल ने हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

सुनवाई के दौरान यह भी दलील दी गई कि यह केवल एक निर्माण का मामला नहीं है, बल्कि इससे जुड़े कई गंभीर सवाल हैं, जिन पर अब तक स्पष्ट जवाब नहीं दिए गए हैं। खुश खंडेलवाल ने अदालत के समक्ष यह मुद्दा उठाया कि मीरा–भायंदर इलाके में बालेशाह पीर बाबा के नाम पर दो अलग-अलग स्थानों पर दरगाह बनाई गई हैं। एक दरगाह उत्तन डोंगरी क्षेत्र में स्थित है, जबकि दूसरी भायंदर पश्चिम के कोलीवाड़ा इलाके में मौजूद है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि बाबा एक ही हैं, तो दो अलग-अलग स्थानों पर उनकी कब्र कैसे हो सकती है। यह प्रश्न न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा है, बल्कि जमीन, निर्माण अनुमति और स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि कथित दरगाह का निर्माण नियमों और कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन कर किया गया है और स्थानीय स्तर पर शिकायतों के बावजूद प्रशासन ने समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इसी कारण मामला अदालत तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हस्तक्षेप याचिका स्वीकार किया जाना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि अदालत पूरे विवाद को गंभीरता से सुनना चाहती है और सभी पक्षों को बराबरी का अवसर देना चाहती है।

खाड़ी में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा, पीएम मोदी को 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से नवाज़ा गया, भारत–ओमान रिश्तों में नया स्वर्णिम अध्याय

(जीएनएस)। भारत की कूटनीतिक ताकत और वैश्विक मंच पर बढ़ती साख का एक और बड़ा प्रमाण गुरुवार को तब देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओमान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को भारत–ओमान के ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, आपसी विश्वास को मजबूत करने और रणनीतिक साझेदारी को व्यापक रूप देने में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान 'फर्स्ट क्लास' श्रेणी में दिया गया, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत विशिष्ट और दुर्लभ माना जाता है। 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सम्मान की गौरवशाली परंपरा खुद इसकी प्रतिष्ठा को दर्शाती है। इससे पहले यह सम्मान महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, जापान के सम्राट अकिहितो, दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला और जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला जैसे विश्व के प्रतिष्ठित नेताओं को मिल चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस सूची में शामिल होना न केवल उनके व्यक्तिगत कद को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि भारत आज वैश्विक राजनीति और कूटनीति में एक भरोसेमंद, प्रभावशाली और निर्णायक भूमिका निभा रहा है। ओमान की यात्रा प्रधानमंत्री मोदी के तीन देशों के दौरे का अंतिम पड़ाव थी। इससे पहले उन्होंने जॉर्डन और इथियोपिया का दौरा किया था, जहां भारत के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति बनी। मस्कट पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का भव्य और गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जो दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक था। यह यात्रा भारत और ओमान के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हुई, जिसने इसे और भी ऐतिहासिक बना दिया।

इस दौरे का सबसे अहम और दूरगामी परिणाम भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते यानी सीईपीए पर हस्ताक्षर रहा। इस मुक्त व्यापार समझौते के जरिए दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को नई गति मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस समझौते से भारतीय निर्यातकों, खासकर टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग, आईटी और कृषि उत्पादों से जुड़े क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलेगा। वहीं ओमान के लिए यह समझौता भारत जैसे विशाल बाजार तक आसान पहुंच का रास्ता खोलेगा। ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल्स और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में भी इससे सहयोग और निवेश बढ़ने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी और ओमान के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई बातचीत में रक्षा, समुद्री सुरक्षा, हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा, निवेश, संस्कृति और लोगों के आपसी संपर्क जैसे मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया। दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि बदलते वैश्विक हालात में भारत–ओमान साझेदारी न केवल द्विपक्षीय स्तर पर, बल्कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिहाज से भी अहम भूमिका निभा सकती है। खाड़ी क्षेत्र में भारत के लाखों प्रवासी नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण का मुद्दा भी बातचीत का अहम हिस्सा रहा। यात्रा के समापन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के लिए रवाना हुए। ओमान के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मामलों के प्रभारी सैय्यद शिहाब बिन तारिक अल सईद ने स्वयं हवाई अड्डे पर पहुंचकर प्रधानमंत्री को 'नमस्ते' कहकर विदाई दी।

पश्चिम रेलवे साबरमती ⇌ शकूर बस्ती के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाएगी

ट्रेन नंबर	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथि	प्रस्थान	आगमन
09497	साबरमती – शकूर बस्ती	22/12/2025 और 24/12/2025	22:55 बजे (सोम और बुध)	15:15 बजे (अगले दिन)
09498	शकूर बस्ती – साबरमती	23/12/2025 और 25/12/2025	21:00 बजे (मंगल और गुरु)	12:20 बजे (अगले दिन)

हॉल्ट: महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव और दिल्ली कैंट स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचना: एसी-3 टियर कोच

ट्रेनों के ठहराव के समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

ट्रेन नंबर 09497 की बुकिंग 19/12/2025 से सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। यह ट्रेन स्पेशल किराए पर स्पेशल ट्रेन के तौर पर चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाईक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly
instagram.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना वास्तविक पहचान पत्र भी साथ रखें

संपादकीय

मौत की धुंध

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती?

विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे पर पर्याप्त रोशनी और धुंध में दृश्यता बढ़ाने के तकनीकी प्रयास किए जाएं। मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह-जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं। दरअसल, होटल-ढाबों के पास वाहनों को अपने परिसर में खड़ा करने की जगह नहीं होती, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों में खड़े रहते हैं। जिसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। पिछले माह राजस्थान के फलोदी के निकट एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने से दस महिलाओं व चार बच्चों समेत पंद्रह लोगों की मौत हुई थी। इस घटना पर स्वतः संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने लिया। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी दिखाई। कोर्ट ने लगातार हादसों की वजह बन रहे इन अवैध होटलों-ढाबों पर नियंत्रण हेतु पूरे देश के लिये दिशा-निर्देश जारी करने की जरूरत बतायी। कई अध्ययनों में हादसों की वजह सड़कों के डिजाइन में कमी को भी बताया गया। सवाल है कि जब देश में अच्छी-तेज सड़कों का जाल तीव्र गति से बिछाया जा रहा है तो सुरक्षित सफर सुनिश्चित करना भी तो नीति-नियंताओं की जवाबदेही बनती है? हादसों के लिए सिर्फ चालकों को जिम्मेदार नहीं बताया जा सकता। हां, इतना जरूर है कि वाहन चालकों को गति के साथ मति भी तेज रखनी होगी। यातायात नियमों का पालन करने में एक जिम्मेदार नागरिक का भी दायित्व निभाना होगा।

बड़ी कंपनी के सामने केंद्र सरकार कैसे हो जाती है लाचार

> केंद्र सरकार ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) के नए नियम लागू किए थे। इन नियमों को जनवरी 2024 में लाया गया था। हालांकि, इन्हें अब जाकर पूरी तरह से लागू किया गया। इनमें पायलटों और क्रू मेंबर का ड्यूटी टाइम कर दिया गया है और आराम करने का समय बढ़ा दिया है।

देश में कोई ताकतवर कंपनी कैसे कानून का दावपेच इस्तेमाल करके सरकार को उसी के बनाए कानून के जाल में उलझा कर अपना उल्लू सीधा कर सकती है, इंडिगो एयरलाइंस विवाद इसका बड़ा उदाहरण है। इस एयरलांइस ने चार दिन तक हजारों यात्रियों को बंधक जैसी हालत में रखा। इसका फायदा दूसरी विमानन कंपनियों ने उठा कर जम कर चांदी कूटी। इस पूरी हालत के दौरान केंद्र सरकार तमाशबीन रही है। सरकार हवाई यात्रियों को हैरान—परेशान और लुटते हुए देखती रही। जब पानी सिर से गुजरने लगा तक सरकार को होश आया। आखिरकार सरकार को नियमों में छूट देकर एयरलाइंस कंपनी के समक्ष बैकफुट पर आने के लिए विवश होना पड़ा। सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर पायलटों के लिए बनाए गए कायदे—कानून कायदों में ढील देने का निर्णय लेना पड़ा। केंद्र सरकार ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) के नए नियम लागू किए थे। इन नियमों को जनवरी 2024 में लाया गया था। हालांकि, इन्हें अब जाकर पूरी तरह से लागू किया गया। इनमें पायलटों और क्रू मेंबर का ड्यूटी टाइम कर दिया गया है और आराम करने का समय बढ़ा दिया है। ऐसा पायलटों की थकान कम करने और सेफ्टी बढ़ाने के लिए किया गया है। एफडीटीएल के नए नियम तय करते हैं कि पायलट कितनी देर ड्यटी पर रह सकते हैं? कितने घंटे विमान उड़ा सकते हैं? रात में कितनी बार लैंडिंग कर सकते हैं? उन्हें कितना आराम मिलना चाहिए? कितनी बार नाइट ड्यूटी कर सकते हैं? नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इन नियमों को पिछली साल जनवरी में पेश किया था। इन्हें पिछले साल ही 31 मई से लागू किया जाना था। मगर एयरलाइन कंपनियों ने इसके लिए समय मांगा, जिसके बाद इन्हें टाल दिया गया। इसके बाद इन नियमों को इस साल दो फेज में लागू किया गया। इन नियमों का

पहला फेज इस साल जुलाई में लागू किया गया। दूसरा फेज 1 नवंबर से लागू कर दिया गया। सवाल यह है कि जब नए नियम सभी एयरलाइन कंपनियों पर लागू होते हैं पर इसका सबसे ज्यादा असर इंडिगो पर ही क्यों दिखा? इसका जवाब है कि इंडिगो के पास पायलटों की कमी हो गई है। इंडिगो ने जानबूझ कर यह कमी की। अन्य एयरलाइंस कंपनियों की तरह इंडिगो के पास भी नए पायलटों की भर्ती के लिए पर्याप्त समय था, किन्तु कंपनी ने भारी आर्थिक भार को टालने के लिए भर्ती नहीं की। कंपनी ने बड़ी चालाकी से सरकार को उसी के बनाए नियमों में फांस कर इनमें ढील देने के लिए विवश कर दिया। इसके लिए कंपनी ने यात्रियों को मोहरा बनाया। यह जानते हुए भी कि कंपनी के पास पायलटों की कमी है, लगातार बुकिंग जारी रखी। फिर अचानक हाथ खड़े कर दिए। हजारों यात्रियों के फंसे होने से जब देश में हाहाकार मचा तो केंद्र सरकार को नए नियमों में ढील देने के लिए झुकना पड़ा। डीसीजीए ने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए नियमों में ढील दी जा रही है। डीजीसीए ने उन नियमों में ढील दी है, जो अहमदाबाद फ्लाइट क्रैश के बाद लागू किए गए थे। साथ ही अभी क्राइसिस के समय पायलटों से मदद की अपील की डीजीसीए ने अब इंडिगो से एक डिटेल्ड रोडमैप जमा करने को कहा, जिसमें उससे क्रू की भर्ती, क्रू की ट्रेनिंग का प्लान, रोस्टर रिस्ट्रक्चरिंग और सेफ्टी रिस्क असेसमेंट का प्लान मांगा गया है। इसके साथ ही डीजीसीए ने इंडिगो को हर 15 दिन में एक प्रोग्रेस रिपोर्ट भी देने को कहा है। सरकार की ओर से केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सफाई दी कि यह फैसला केवल यात्रियों के हित में लिया गया है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, मरीजों और जरूरी यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए। मंत्रालय ने एयरलाइनों के साथ कम से कम छह महीने तक निरंतर संवाद भी किया। पहले इस नियम के बारे में कोई समस्या नहीं थी। एअर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी अन्य एयरलाइन ने अपने संचालन को ढाल लिया। लेकिन जो हुआ वह इंडिगो की चालक दल (क्रू) के प्रबंधन की गड़बड़ी के कारण हुआ। नायडू ने कहा कि हमने सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए इंडिगो को एफडीटीएल नियमों में कुछ छूट दी है। इंडिगो संकट के बीच सरकार द्वारा पायलटों के नए उड़ान ड्यूटी समय सीमा नियम (एफडीटीएल) को तत्काल प्रभाव से फिलहाल स्थगित करने के फैसले की पायलट संघ ने कड़ी आलोचना की है। एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने डीजीसीए को एक पत्र लिखते हुए कहा कि यह फैसला सुरक्षा से सीधा समझौता है। पायलटों की थकान से यात्रियों की जान ख़तरे में पड़ सकती है। एसोसिएशन के अनुसार, इंडिगो ने जानबूझकर यह संकट खड़ा किया, जिससे उसे नियमों में ढील मिल सके। इसलिए इंडिगो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और एफडीटीएल के दूसरे चरण के नियमों को पूरी तरह लागू किए जाएं बिना किसी भी एयरलाइन को इसमें छूट दिए। एसोसिएशन ने इंडिगो प्रबंधन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि रात्रिकालीन ड्यूटी से संबंधित मानदंडों में ढील से इंडिगो को अपने परिचालन को स्थिर करने में मदद मिलेगी, लेकिन यह छूट एक ख़तरनाक मिसाल कायम करेगी। डीजीसीए ने 25 नवंबर की बैठक में इस बात पर सहमति जताई थी कि किसी भी ऑपरेटर को, खासकर व्यावसायिक हितों से प्रेरित, कोई छूट या बदलाव नहीं दिया जाएगा। सभी ऑपरेटरों के पास नए एफडीटीएल को लागू करने के लिए लगभग दो साल का समय था, और वह भी दो चरणों में। इस पर्याप्त समय के बावजूद इंडिगो अपना रोस्टर तैयार करने में विफल रही और इसके बजाय एयरलाइन ने 2025 की सर्दियों के लिए अपने परिचालन को बढ़ा दिया। एसोसिएशन ने कहा कि ये घटनाएं गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं कि सार्वजनिक असुविधा के बहाने व्यावसायिक लाभ के लिए सरकार पर दबाव डालने के लिए एक कृत्रिम संकट पैदा किया गया था। इंडिगो को चुनिंदा छूट देकर, डीजीसीए ने अन्य सभी ऑपरेटरों के लिए अपने परिचालन, वाणिज्यिक या समय-सारिणी संबंधी कारणों का हवाला देकर एफडीटीएल नागरिक उड्डयन आवश्यकता से समान छूट की मांग करने का रास्ता खोल दिया है। यह नागरिक उड्डयन आवश्यकता के मूल सिद्धांत और उद्देश्य को ही कमजोर करता है। एसोसिएशन ने मांग की है कि डीजीसीए इंडिगो को दी गई सभी छूट तुरंत वापस ले और एयरलाइन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू करे।

संघ के अनुसार, इंडिगो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उन्होंने अपनी परिचालन क्षमता का गलत आकलन किया था; फिर भी, जनता को भारी असुविधा पहुंचाने के लिए उन्हें फटकार लगाने या दंडित करने के बजाय, डीजीसीए ने उन्हें और छूट दे दी। इस कार्रवाई ने न केवल परिचालन कुप्रबंधन को बढ़ावा दिया है, बल्कि यात्रियों की जान को भी सीधे खतरे में डाल दिया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी किरकिरी के बाद केंद्र सरकार इंडिगो के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के बजाए पूरे मामले की लीपापोती करने में लगी हुई है। होना तो यह चाहिए था कि इंडिगो प्रबंधन के खिलाफ देश में जानबूझ कर अराजकता फैलाने का मामला दर्ज करके गिरफ्तारी की जाती, ताकि दूसरी कंपनियों को मुनाफे के लिए ऐसी हरकत करने की चेतावनी मिल सके। इसके विपरीत केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने 10% उड़ानों में कटौती का आदेश देकर इंडिगो को बख्श दिया। नायडू ने कहा कि पिछले हफ्ते इंडिगो के क्रू रोस्टर, फ़्लाइट शेड्यूल और कम्युनिकेशन की कमी के कारण कई यात्रियों को बहुत परेशानी हुई। जांच और जरूरी कार्रवाई चल रही है। महज 10 प्रतिशत उड़ान में कटौती जैसा प्रतीकात्मक दंड देने की औपचारिकता से ऐसी कंपनियों के कामकाज और आर्थिक मुनाफे के लालच की प्रवृत्ति पर अंकुश नहीं लग सकेगा। केंद्र सरकार का चाहिए कि इंडिगो के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करे, जोकि देश में नजीर बन सके, ताकि फिर कोई कंपनी आम लोगों से खिलवाड़ नहीं कर सके। अन्यथा यही माना जाएगा देश कानून से नहीं कंपनियों की मनमानी से चलता है।

प्रेरणा

जब धैर्य ने क्रोध को रास्ता दिखाया और अधूरा पुल पूरा होने लगा

एक बार एक छोटे से शहर में बदलाव की उम्मीद और निराशा साथ-साथ सांस ले रही थीं। वहां के लोग लंबे समय से भेदभाव, अन्याय और अनसुनी आवाज़ों से थक चुके थे। ऐसे माहौल में मार्टिन लूथर किंग जूनियर वहां भाषण देने पहुंचे। उनका नाम लोगों के लिए उम्मीद की तरह था, लेकिन कई युवाओं के मन में सवाल भी थे—क्या सच में अहिंसा काम करती है, या यह सिर्फ किताबों और भाषणों की बात है? किंग ने मंच से वही बात कही जो वे हमेशा कहते आए थे—न्याय जल्दबाज़ी से नहीं, बल्कि धैर्य और दृढ़ता से हासिल होता है। उन्होंने बताया कि इतिहास में जितने भी स्थायी बदलाव आए हैं, वे भीतर से शुरू हुए हैं, और भीतर का बदलाव सबसे कठिन होता है।

भाषण समाप्त हुआ। लोग अपने-अपने रास्ते चले गए, लेकिन भीड़ के पीछे एक युवक अब भी वहीं खड़ा था। उसका नाम कोई नहीं जानता था, लेकिन उसका दर्द बहुतों जैसा था। उसके साथ कई बार अन्याय हुआ था, उसकी मेहनत का फल किसी और ने ले लिया था, और हर बार उसे चुप रहने की सलाह दी गई थी। उसके भीतर एक आग जल रही थी। जब वह किंग के पास पहुंचा, तो उसकी आवाज़ में सम्मान कम और आक्रोश ज्यादा था। उसने कहा कि उसे अब धैर्य की बातें खोखली लगने लगी हैं। उसके अनुसार, बिना टकराव के सत्ता नहीं झुकती और बिना गुस्से के व्यवस्था नहीं बदलती।

किंग ने उसकी आंखों में देखा। उन्होंने वहां केवल क्रोध नहीं, बल्कि गहरी थकान और टूटती उम्मीद भी देखी। उन्होंने युवक से कहा कि शब्दों से पहले दृश्य कभी-कभी ज्यादा सिखा देते हैं। यह कहकर वे उसे शहर के बाहर बहती नदी की ओर ले गए। रास्ते में दोनों चुप थे। युवक सोच रहा था कि शायद किंग उसे कोई उपदेश देने वाले हैं, लेकिन नदी के पास पहुंचते ही उसका ध्यान सामने के दृश्य पर टिक गया।

नदी चौड़ी थी और तेज बह रही थी। उसके ऊपर एक पुल का निर्माण हो रहा था, लेकिन वह अभी अधूरा था। लकड़ी, लोहे और पत्थरों के ढांचे बीच में आकर रुक गए थे। दोनों किनारों पर लोग खड़े थे—कुछ अपने काम पर जाने की जल्दी में, कुछ किसी अपनों से मिलने की चाह में। वे एक-दूसरे को देख सकते थे, आवाज़ दे सकते थे, लेकिन पहुंच नहीं सकते थे। नदी उनके बीच खड़ी एक जिद्दी सच्चाई थी।

किंग ने धीरे से पूछा कि अगर इन लोगों को मिलना है, तो उन्हें क्या करना चाहिए। युवक ने झुंझलाकर कहा कि पुल पूरा करना होगा, वरना कोई रास्ता नहीं है। किंग ने कहा कि यही बात समाज पर भी लागू होती है। जब हमारे बीच नफरत, भय और अविश्वास की नदी बहती है, तब गुस्सा हमें तैरने के लिए उकसाता है। कुछ लोग तैरकर पार करने की कोशिश करते हैं, कुछ नदी को ही दोष देने लगते हैं, और कुछ सामने वाले किनारे पर खड़े लोगों को पत्थर मारने लगते हैं। लेकिन इन सब से नदी शांत नहीं होती और मंजिल पास नहीं आती।

उन्होंने समझाया कि पुल बनाना सबसे धीमा लेकिन सबसे सुरक्षित तरीका है। पुल बनाने के लिए धैर्य चाहिए, क्योंकि हर ईंट तुरंत नतीजा नहीं देती। साहस चाहिए, क्योंकि कई बार लगेगा कि मेहनत बेकार जा रही है। और करुणा चाहिए, क्योंकि बिना समझ और संवेदना के पुल सिर्फ एक ढांचा बनकर रह जाएगा, रास्ता नहीं बनेगा। नफरत से खड़े किए गए पुल गिर जाते हैं, लेकिन प्रेम और न्याय से बने पुल पीढ़ियों तक टिकते हैं।

युवक काफी देर तक उस अधूरे पुल को देखता रहा। उसे अपनी ही ज़िंदगी उसमें झलकती दिखाई दी। वह भी हर बात का तुरंत जवाब चाहता था, हर चोट का तुरंत बदला। उसने कभी यह नहीं सोचा था कि शायद वह खुद भी पुल का एक हिस्सा बन सकता है। उसे एहसास हुआ कि उसका गुस्सा उसे ताकत नहीं दे रहा था, बल्कि उसे अकेला कर रहा था।

जब वे वापस लौटने लगे, तो युवक के कदम पहले से धीमे लेकिन ज्यादा स्थिर थे। उसका क्रोध पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था, लेकिन अब वह उसे जलाने के बजाय रोशनी देने लगा था। उसने समझ लिया था कि सच्चा परिवर्तन शोर से नहीं, बल्कि निरंतर और शांत प्रयास से आता है। धैर्य कोई कमजोरी नहीं, बल्कि वह नींव है जिस पर न्याय का पुल खड़ा होता है। और जब पुल पूरा होता है, तो सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, पूरा समाज उस पर चलकर नई मंजिल तक पहुंचता है।

आइसिस की जड़ों को भारत में ढूंढ़ने की ज़रूरत

सीरिया के शासन प्रमुख अपने देशवासियों के साथ गर्व महसूस कर रहे हैं। वजह, अहमद अल-अहमद हैं। सीरियाई मूल का अहमद अल-अहमद, सिडनी के सदरलैंड शायर में एक दुकान चलाता है। बौंडी बीच पर उसके कारनामों ने उसे दुनियाभर में एक शांत दुकानदार से बहादुरी के प्रतीक में बदल दिया। हथियारबंद हमलावरों का सामना करने की कोशिश में अल-अहमद को दो गोलियां लगीं। उन्हें सिडनी के एक अस्पताल में तत्काल ले जाया गया, वहां उनकी सर्जरी हुई, और अब वो ठीक हैं। न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर, क्रिस मिन्स ने उनसे मिलने के बाद फेसबुक पर लिखा—'अल-अहमद की अविश्वसनीय बहादुरी ने निस्संदेह अनगिनत जानें बचाईं, जब उन्होंने अपनी जान का रिस्क लेकर एक आतंकवादी को निहत्था किया। ये है असली हीरो।' इस हमले की विश्वव्यापी निंदा की गई है। अल-अहमद ने सीरिया का सिर ऊंचा किया। भारत शर्मिंदा, और सन्नाटे में है। वजह हमलावरों का हैदराबाद कनेक्शन है।

बौंडी बीच हमले में मृतकों की संख्या 16 हो गई है, जिसमें ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने वालों में से एक बंदूकधारी भी शामिल है, जिसकी पहचान पुलिस ने 50 वर्षीय साजिद अकरम के रूप में की है। उस शख्स का 24 वर्षीय बेटा नवीद अकरम, गोली लगने के बाद अस्पताल में गंभीर हालत में बताया जा रहा है। साजिद अकरम हैदराबाद का था, और उसका बेटा नवीद अकरम ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट धारक था। बौंडी बीच शूटर साजिद अकरम 1998 में ऑस्ट्रेलिया चला गया था। उसके रिश्तेदारों ने बताया, 'साजिद अकरम 2001 में अपनी यूरोपीय मूल की पत्नी को एक निकाह समारोह के लिए हैदराबाद लाया था, और अपने बेटे नवीद अकरम को 2004-05 में अपने माता-पिता से मिलवाने के लिए लाया था।'

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने जानकारी दी, कि दोनों जने पिछले महीने फिलीपींस गए थे, पिता भारतीय पासपोर्ट पर, और बेटा ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट पर। फिलीपींस के अधिकारियों ने कहा कि उनकी यात्रा का मकसद जांच के दायरे में है, और यह कहना पक्का नहीं है कि वे किसी आतंकवादी समूह से जुड़े थे, या उन्हें उस देश में ट्रेनिंग मिली थी। मंगलवार को अपने बयान में, तेलंगाना पुलिस ने कहा कि 1998 में ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद से साजिद अकरम छह बार भारत आया था, मुख्य रूप से पारिवारिक कारणों से। बयान में यह भी कहा गया, कि भारत छोड़ने से पहले उसका कोई 'बुरा रिकॉर्ड' नहीं था।

हमलावरों ने बोंडी बीच पर हाहाकारी हमले से पहले फिलीपींस में एक महीना बिताया था। फिलीपींस में ब्यूरो ऑफ़ इमिग्रेशन ने कन्फर्म किया है, कि बाप-बेटे नरसंहार से पहले उनके देश में 28 दिन रुके थे। इमिग्रेशन प्रवक्ता डाना सैंडोवल ने बुधवार को कहा, कि 50 साल का साजिद अकरम और उसका बेटा 24 साल का नवीद अकरम 1 नवंबर, 2025 को निनॉय एक्विनो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, जिसके बाद उन्होंने दावो इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट ली थी। 28 नवंबर को बाप-बेटे, दावो सिटी से मनीला के लिए निकले, और फिलीपीन एयरलाइंस की फ्लाइट 'पीआर 212' से वापस सिडनी चले गए।

फिलीपींस का दावो, मिंडानाओ के दक्षिणी द्वीप का सबसे बड़ा शहर है, जहां मुस्लिम विद्रोही लंबे समय से एक स्वतंत्र राज्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वर्ष 2017 में, आइसिस लड़ाकों ने मिंडानाओ में मारावी शहर को पांच महीने तक घेरे रखा, जिससे फिलीपींस सरकार को एक पूर्ण युद्ध शुरू करना पड़ा, जिसमें आइसिस के प्रमुख नेताओं को मार गिराया गया, और लड़ाकों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया गया।

विशेषज्ञों के अनुसार, कैथोलिक बहुल देश फिलीपींस में सैकड़ों इस्लामिक स्टेट के लड़ाके अभी भी मौजूद हैं। आतंकियों के अंतर्राष्ट्रीय आका मिंडानाओ में गरीबी, अंतर्विरोध व सरकारी दमनचक्र का फायदा उठाकर भर्ती अभियान जारी रखे हुए हैं। विशेषज्ञ बताते हैं, दहशतगर्दों के ऑपरेटर्स ने अपनी रणनीति बदल ली है। वे छोटे-छोटे गुटों में बंट गए हैं, लेकिन फिर भी इस्लामिक स्टेट के प्रति वफादार हैं। उन्होंने पुलिस बलों और ईसाई पूजा स्थलों को निशाना बनाना जारी रखा है। 2023 में, इस्लामिक आतंकवादियों ने मारावी में मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी में एक कैथोलिक मास के दौरान एक विस्फोटक डिवाइस से धमाका किया, जिसमें चार लोग मारे गए, और दर्जनों घायल हो गए।

फिलीपींस में आतंकवाद विरोधी विशेषज्ञ रोमेल बानलाओई ने कहा, कि मारावी घेराबंदी के बाद इस क्षेत्र में उग्रवाद आंदोलनों में बदलाव आया है। बानलाओई ने कहा, 'पहले, इनका ध्यान एक इस्लामिक राज्य बनाने पर था। अब यह मध्यपूर्व हिंसा से विस्थापित मुसलमानों, फलस्तीनियों की तथाकथित मदद करने में बदल गया है।' हाल के वर्षों में, फिलीपींस सरकार ने इनमें से कुछ लड़ाकों को शांतिपूर्ण ढंग से जीवनयापन का अवसर देने की कोशिश की है। फिलीपींस ने मुस्लिम मिंडानाओ में बंगसामोरो स्वायत्त क्षेत्र भी स्थापित किया, ताकि निवासियों को अधिक राजनीतिक स्वायत्तता का अहसास हो। साथ ही चरमपंथी समूहों से उनके समर्थन आधार को छीना जा सके। इस शांति प्रक्रिया के कारण पहले से निर्धारित स्थानीय चुनाव में बार-बार देरी हुई है।

आतंकवाद विशेषज्ञ एक बात तो मानते हैं, कि आइसिस की जड़ें समाप्त नहीं हो पाई हैं, वो दुनिया के मुख्तलिफ हिस्सों में पनप रही हैं, जो इनका मुख्य ब्रीडिंग ग्राउंड रहा है, वहां भी ये जड़ से समाप्त नहीं हो पाए। सीरियाई सरकार ने मंगलवार को कहा कि उसकी सेना ने आइसिस से जुड़े एक सेल के लीडर को मार गिराया है, और उसके आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने शनिवार 13 दिसंबर को दो अमेरिकी सैनिक, सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवर और सार्जेंट विलियम नथानिएल हॉवर्ड, और एक सिविलियन इंटरप्रेटर को सीरिया के पल्मायरा के पास मारा था। इसके अगले दिन रविवार को उत्तर-पश्चिम इदलिब प्रांत में मारेत अल-नुमान सड़क पर गश्त कर रहे चार सीरियाई सुरक्षाकर्मी भी मारे गए थे।

अभियान

जब अठारह सीढ़ियाँ आत्मा को जगाती हैं और भक्त अय्यप्पा के दर्शन के योग्य बनता है

केरल के घने जंगलों, पहाड़ियों और नदियों के बीच स्थित सबरीमाला केवल एक मंदिर नहीं है, बल्कि एक जीवित साधना है। यहाँ की यात्रा सड़क से नहीं, बल्कि संयम, तप और आत्म-अनुशासन के रास्ते से शुरू होती है। जब कोई भक्त सबरीमाला की ओर कदम बढ़ाता है, तो वह सिर्फ भगवान अय्यप्पा के दर्शन के लिए नहीं चलता, बल्कि अपने भीतर छिपे अज्ञान, अहंकार और विकारों से युद्ध करने निकलता है। इस पूरी साधना का चरम बिंदु हैं मंदिर की वे अठारह पवित्र सीढ़ियाँ, जिन पर पैर रखने से पहले ही भक्त जान लेता है कि अब यह यात्रा केवल शरीर की नहीं, आत्मा की है।

कहा जाता है कि इन अठारह सीढ़ियों तक पहुँचने से पहले जो व्रत लिया जाता है, वही भक्त को धीरे-धीरे दर्शन के योग्य बनाता है। काले वस्त्र, सरल जीवन, ब्रह्मचर्य, सात्विक भोजन और हर प्राणी के प्रति करुणा—ये सब इस साधना के मौन नियम हैं। जब भक्त महीनों तक इस अनुशासन में जीता है, तभी उसे उन सीढ़ियों पर चढ़ने का अधिकार मिलता है, क्योंकि ये सीढ़ियाँ किसी भी साधारण मनुष्य के लिए नहीं, बल्कि स्वयं को जीतने वाले साधक के लिए हैं।

जैसे ही भक्त पहली सीढ़ी पर पैर रखता है, उसे याद दिलाया जाता है कि मानव जीवन की शुरुआत इंद्रियों से होती है। पहली पाँच सीढ़ियाँ मनुष्य की पाँच इंद्रियों का प्रतीक हैं—नेत्र, कर्ण, नासिका, जिह्वा और वाणी। इन पर चढ़ते समय भक्त भीतर ही भीतर संकल्प करता है कि अब आँखें केवल ईश्वर में सौंदर्य देखेंगी, कान केवल सत्य और भक्ति के स्वर सुनेंगे, नाक सांसों में दिव्यता को पहचानना सीखेगी, जीभ केवल शुद्ध और संयमित शब्द बोलेगी और वाणी से किसी को पीड़ा नहीं पहुँचेगी। यह इंद्रिय-निग्रह ही साधना की पहली कसौटी है, क्योंकि जब इंद्रियाँ वश में होती हैं, तभी मन शांत होता है।

इन पाँच सीढ़ियों के बाद भक्त अगले चरण में प्रवेश करता है, जहाँ आठ सीढ़ियाँ उसका इंतज़ार करती हैं। ये आठ सीढ़ियाँ मनुष्य के भीतर छिपे उन दुर्गुणों का प्रतीक हैं, जो उसे बार-बार नीचे खींचते हैं—काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, पाखंड और शत्रुता। इन सीढ़ियों पर चढ़ते हुए भक्त अपने जीवन की उन कमजोरियों को याद करता है, जिन्होंने उसे भटकाया। वह समझता है कि शत्रु बाहर नहीं, भीतर है। हर सीढ़ी पर उसका संकल्प और मजबूत होता है कि वह इन विकारों को त्यागकर ही आगे बढ़ेगा। यही कारण है कि कहा जाता है कि जो व्यक्ति अहंकार लेकर इन सीढ़ियों पर चढ़ता है, वह आधे रास्ते में ही थक जाता है।

तेरह सीढ़ियाँ पार करते ही साधक एक गहरे बोध में प्रवेश करता है। अब सामने आती हैं तीन सीढ़ियाँ, जो सत्व, रजस और तमस—इन तीन गुणों का प्रतीक हैं। यहीं पर भक्त समझता है कि जीवन केवल अच्छे और बुरे का संघर्ष नहीं है, बल्कि चेतना के स्तरों की यात्रा है। सत्व ज्ञान और पवित्रता की ओर ले जाता है, रजस कर्म और इच्छा से बाँधता है, और तमस अज्ञान और आलस्य में जकड़ता है। इन तीनों को पहचानकर उनसे ऊपर उठना ही वास्तविक मुक्ति का मार्ग है। इन सीढ़ियों पर चढ़ते हुए भक्त यह स्वीकार करता है कि वह केवल शरीर नहीं, बल्कि चेतना है, और यही चेतना उसे ईश्वर से जोड़ती है।

जब सोलह सीढ़ियाँ पार हो जाती हैं, तो केवल दो सीढ़ियाँ शेष रहती हैं, लेकिन यही सबसे कठिन होती हैं। ये दो सीढ़ियाँ अज्ञान से ज्ञान की ओर जाने का संकेत हैं। यहाँ भक्त को यह बोध होता है कि संसार में जिसे वह 'मेरा' कहता आया है—धन, संबंध, प्रतिष्ठा—वह सब अस्थायी है। स्थायी केवल ईश्वर है। इन सीढ़ियों पर चढ़ते हुए 'मैं' और 'मेरा' का बोझ धीरे-धीरे उतरने लगता है। यही वह क्षण है, जब अहंकार पूरी तरह पिघलता है और मनुष्य स्वयं को भगवान के चरणों में समर्पित कर देता है।

कहा जाता है कि जब कोई भक्त इन अठारह सीढ़ियों को इस भाव से पार करता है, तब वह केवल मंदिर के गर्भगृह में नहीं पहुँचता, बल्कि अपने भीतर भी अय्यप्पा को पा लेता है। यही कारण है कि सबरीमाला में दर्शन केवल आँखों से नहीं होते, बल्कि आत्मा से होते हैं। यह यात्रा सिखाती है कि ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग बाहर नहीं, भीतर है। और जब भीतर की यात्रा पूरी हो जाती है, तब अय्यप्पा के दर्शन केवल मूर्ति के नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर बसे सत्य के हो जाते हैं।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH

अटल नेतृत्व, अविरत विकास

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना – मुख्यमंत्री अमृतम (AB PMJAY-MA) अंतर्गत गुजरात में 1 करोड़ से अधिक परिवारों को समाविष्ट किया गया

AB PMJAY-MA अंतर्गत लाभार्थियों को दावों का भुगतान करने में गुजरात प्रथम स्थान पर

ऑल इंडिया सर्विसेज (एआईएस) तथा राज्य सरकार के अधिकारियों, पेंशनभोगियों को AB PMJAY-MA योजना का लाभ लेने के लिए 'कर्मयोगी स्वस्थ सुरक्षा योजना', जी कैटेगरी अंतर्गत लगभग 6.40 लाख लाभार्थियों का पंजीकरण

(जीएनएस)। गांधीनगर, 18 दिसंबर : गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरातियों के स्वास्थ्य में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाने के उद्देश्य से 'स्वस्थ गुजरात, समृद्ध गुजरात' का मंत्र दिया था। आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने सुनिश्चित किया है कि स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सुदूरवर्ती मानव तक पहुँचे और कोई व्यक्ति चिकित्सा सुविधाओं से वंचित न रहे। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को चिकित्सा उपचार के लिए आर्थिक सहायता देने वाली केन्द्र सरकार की सबसे बड़ी योजना है आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, जिसे गुजरात सरकार की मुख्यमंत्री अमृतम योजना के साथ जोड़ा गया है। संयुक्त रूप से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना – मुख्यमंत्री अमृतम (AB PMJAY-MA) अंतर्गत राज्य के 1,20,14,556 परिवारों को समाविष्ट किया गया है। इसके अलावा; जुलाई-2023 में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में AB PMJAY-MA अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा प्रति परिवार वार्षिक बीमा राशि 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए की गई है। यह बात दर्शाती है कि गुजरात ने स्वास्थ्य सुविधाओं को अधिक मजबूत तथा सुलभ बनाया है, जो राज्य में सुशासन का उत्तम उदाहरण है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन को लेकर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल कहते हैं, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड देकर गरीब एवं मध्यम वर्ग को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आज समाज को निरामय रखने के लिए हमने गुजरात में योग से आयुष्मान तक की परियोजनाएँ लागू की हैं। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत हमने 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता बढ़ाकर 10 लाख रुपए की है। इस योजना से गरीब एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में भी लोगों को गंभीर बीमारियों में निःशुल्क उपचार मिल रहा है। आज सरकारी अस्पतालों में भी उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हैं। स्वस्थ समाज तथा स्वस्थ गुजरात के माध्यम से प्रधानमंत्री के विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को हम साकार करेंगे।"

AB PMJAY-MA अंतर्गत आर्थिक सहायता 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए होने से प्रीमियम राशि में वृद्धि

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना – मुख्यमंत्री अमृतम (AB PMJAY-MA) अंतर्गत जब 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी, तब 1 जुलाई 2021 से 10 जुलाई 2022 तक प्रति परिवार प्रीमियम राशि 2177.10 रुपए थी और उस समयावधि के दौरान कुल वित्तीय खर्च 1681.20 करोड़ रुपए हुआ था। इसके बाद 11 जुलाई, 2022 से 10 जुलाई, 2023 के दौरान प्रीमियम राशि 1492 रुपए थी, जिस दौरान कुल वित्तीय खर्च 1363.52 करोड़ रुपए हुआ था। 10 जुलाई 2023 को राज्य सरकार द्वारा योजनांतर्गत देय आर्थिक सहायता 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए की गई, जिससे प्रीमियम राशि बढ़कर प्रति परिवार 3708 रुपए हुई है। कुल वित्तीय खर्च की बात करें, तो 11 जुलाई 2023 से 10 जुलाई 2024 के दौरान कुल वित्तीय खर्च 2676.26 करोड़ रुपए, जबकि 11 जुलाई 2024 से 10 जुलाई 2025 के दौरान कुल वित्तीय खर्च 3210.03 करोड़ रुपए हुआ है। AB PMJAY-MA योजना अंतर्गत राज्य में कुल 2090 अस्पताल एम्पैनल्ड हैं, जिनमें 1132 सरकारी तथा 958 निजी अस्पताल हैं। इस योजनांतर्गत नवंबर 2025 तक कुल 2299 प्रोसीजरों तथा 50 एसआरएस प्रोसीजरों को समाविष्ट किया गया है। उल्लेखनीय है कि इस योजना अंतर्गत लाभार्थियों के दावों का भुगतान करने में गुजरात राज्य प्रथम स्थान पर है।

66 वर्षीय फारुकभाई को हृदय रोग के उपचार के लिए AB PMJAY-MA अंतर्गत मिली 5,24,040 रुपए की आर्थिक सहायता

अहमदाबाद निवासी 66 वर्षीय फारुकभाई खिमाणी एक जनरल स्टोर चलाते हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत साधारण है। फारुकभाई को हृदय में दर्द होने के बाद यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर लाया गया। उनकी ईसीजी रिपोर्ट कराई गई, जिससे कोरोनरी आर्टरी डिसीज का निदान हुआ। उन्हें हृदय की सर्जरी कराने की सलाह दी गई थी, जिसके लिए बहुत खर्च होने की संभावना थी। इस समय उनकी सहायता में आई प्रधानमंत्री जन आरोग्य – मा अमृतम योजना (PMJAY-MA), जिसके तहत उन्हें राज्य सरकार द्वारा 5,24,040 रुपए की आर्थिक सहायता दी गई। मई 2025 में PMJAY-MA योजना अंतर्गत सहायता से फारुकभाई की कोरोनरी एंजियोग्राफी तथा उसके बाद कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग (सीएबीजी) की सर्जरी की गई। इसके बाद हाल ही में यानी दिसंबर 2025 में ही उन्हें साँस लेने में दिक्कत होने पर यूएन मेहता अस्पताल में फिर से भर्ती कराया गया और वहाँ उनकी सीआरटी-पी इम्प्लांट की सफल सर्जरी की गई है। हाल में उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा है और वे राहत का अनुभव कर रहे हैं। फारुकभाई कहते हैं, "प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना मेरे और मुझ जैसे मरीजों के लिए बहुत सहायक हो रही है। राज्य के गरीब तथा मध्यम वर्ग के लोगों को श्रेष्ठ चिकित्सा सुविधाओं के लिए सरकार ने यह योजना लागू की, जिसके लिए प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री का बहुत धन्यवाद !"

राज्य सरकार के सभी कर्मयोगियों तथा पेंशनभोगियों के लिए 'कर्मयोगी स्वस्थ सुरक्षा योजना'

गुजरात सरकार द्वारा मई 2025 में राज्य के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों के लिए गुजरात कर्मयोगी स्वस्थ सुरक्षा योजना शुरू की गई है, जिसके तहत राज्य के फिक्स पे कर्मचारियों के अलावा ऑल इंडिया सर्विसेज (एआईएस) के अधिकारियों व पेंशनभोगियों तथा राज्य सरकार के अधिकारियों, कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रित परिजनों को भी AB PMJAY-MA अंतर्गत कैशलेस चिकित्सा उपचार का लाभ दिया जाता है। गुजरात कर्मयोगी स्वस्थ योजना के तहत राज्य सरकार के सभी कर्मयोगियों तथा पेंशनभोगियों को जी सीरिज का AB-PMJAY-MA कार्ड दिया जाता है। जी कैटेगरी अंतर्गत कुल लगभग 6.40 लाख लाभार्थी हैं।

पश्चिम रेलवे का वसई रोड एवं भायंदर स्टेशनों के बीच 19/20 दिसम्बर, 2025 की मध्यरात्रि को रात्रिकालीन ब्लॉक

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु शुक्रवार/शनिवार की मध्यरात्रि अर्थात 19/20 दिसम्बर, 2025 को वसई रोड एवं भायंदर स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर 05.15 घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह ब्लॉक भायंदर एवं वसई रोड स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर 23:30 बजे से 03:00 बजे तक, जबकि डाउन फास्ट लाइन पर 01:15 बजे से 04:45 बजे तक रहेगा। ब्लॉक अवधि के दौरान विरार और भायंदर/बोरीवली स्टेशनों के बीच फास्ट लाइन की सभी ट्रेनें स्लो लाइन पर चलाई जाएंगी।

फियो ने भारत के निर्यात विकास के लिए भारत-ओमान सीईपीए का रणनीतिक मील के पत्थर के रूप में स्वागत किया

(जीएनएस)। नई दिल्ली, 18 दिसंबर, 2025: फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स (फियो), जो भारतीय निर्यातकों का सर्वोच्च निकाय है, ने भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर का खाड़ी क्षेत्र के साथ भारत के व्यापार और आर्थिक जुड़ाव में एक प्रमुख मील के पत्थर के रूप में गर्मजोशी से स्वागत किया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और महामहिम सुल्तान हैथम बिन तारिक के दूरदर्शी नेतृत्व में संपन्न तथा माननीय केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल और महामहिम कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ द्वारा हस्ताक्षरित, यह समझौता द्विपक्षीय आर्थिक एकीकरण को गहरा करने और दीर्घकालिक व्यापार अवसरों का विस्तार करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। फियो अध्यक्ष श्री एस सी रल्हन ने समझौते पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत-ओमान सीईपीए एक परिवर्तनकारी व्यापार समझौता है जो वस्तुओं और सेवाओं में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करता है, पेशेवर गतिशीलता को बढ़ाता है और समावेशी और रोजगार-आधारित विकास का समर्थन करता है। सीईपीए भारतीय निर्यात के लिए अभूतपूर्व बाजार पहुंच सुनिश्चित करता है, जिसमें ओमान की 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शून्य-शुल्क पहुंच है, जो मूल्य के हिसाब से भारत के निर्यात का 99.38 प्रतिशत कवर करता है। यह समझौता लगभग सार्वभौमिक शुल्क-मुक्त पहुंच भारतीय वस्तुओं की प्रतिस्पर्धात्मकता को महत्वपूर्ण रूप से बनाएगा और कपड़ा और परिधान, चमड़ा और जूते, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि और खाद्य उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा उपकरण, ऑटोमोबाइल और खेल के सामान जैसे प्रमुख श्रम-गहन क्षेत्रों को लाभ पहुंचाएगा। श्री रल्हन ने कहा कि इस समझौते से रोजगार सृजित होने और देश भर में एमएसएमई, कारीगरों, महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों और कृषि उत्पादकों को मजबूती से समर्थन मिलने की उम्मीद है। फियो प्रमुख ने कहा कि ओमान की रणनीतिक स्थिति इसे खाड़ी और अफ्रीका के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बनाती है और सीईपीए भारतीय निर्यातकों को क्षेत्रीय मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक प्रभावी ढंग से एकीकृत होने, बाजारों में विविधता लाने और भारत के निर्यात पदचिह्न का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा। द्विपक्षीय व्यापार पहले ही 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है, यह समझौता वस्तु व्यापार में त्वरित विकास के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करता है। सीईपीए सेवाओं में महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी प्रतिबद्धताएं भी देता है, जिसमें IT और कंप्यूटर से संबंधित सेवाओं, व्यावसायिक और पेशेवर सेवाओं, आरएंडडी, शिक्षा, स्वास्थ्य और ऑडियो-विजुअल सेवाओं सहित 127 उप-क्षेत्र शामिल हैं, जो भारतीय सेवा प्रदाताओं के लिए उच्च-मूल्य के अवसर खोलते हैं। श्री रल्हन ने कहा कि भारतीय पेशेवरों के लिए बेहतर गतिशीलता प्रावधान, जिसमें इंट्रा-कॉर्पोरेट ट्रांसफर, संविदात्मक सेवा आपूर्तिकर्ताओं, व्यावसायिक आगंतुकों और स्वतंत्र पेशेवरों के लिए बेहतर पहुंच और लंबे समय तक रहने की अवधि शामिल है, भारत के सेवा निर्यात और रोजगार सृजन को और मजबूत करेगा। थियो अध्यक्ष ने दोहराया कि इसके अलावा, यह समझौता प्रमुख सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों द्वारा 100 प्रतिशत एफडीआई की सुविधा प्रदान करता है, पारंपरिक चिकित्सा पर पहली बार व्यापक प्रतिबद्धता पेश करता है, जो भारत के आयुष और कल्याण क्षेत्रों के लिए नए रास्ते खोलता है और महत्वपूर्ण व्यापार-सुविधा उपाय प्रदान करता है। इनमें फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए तेज़ अनुमोदन, वैश्विक नियामक प्रमाणपत्रों की स्वीकृति, हलाल प्रमाणन की पारस्परिक मान्यता, जैविक उत्पादों के लिए भारत के एनपीओपी प्रमाणन की स्वीकृति और मानकों और अनुरूपता मूल्यांकन पर बढ़ा हुआ सहयोग शामिल है, जो गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने में मदद करता है। फियो प्रमुख ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत-ओमान सीईपीए निर्यात को बढ़ावा देने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने, रोजगार पैदा करने और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस वर्ष राज्य सरकार के विभागों द्वारा बजट अंतर्गत किए गए खर्च की सर्वग्राही समीक्षा बैठक आयोजित की

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित कर इस वर्ष 2025-26 के बजट अंतर्गत राज्य सरकार के सभी विभागों द्वारा नवंबर 2025 तक किए गए खर्च की समीक्षा की। श्री पटेल ने इस समीक्षा के दौरान विभागों द्वारा 30 नवंबर 2025 तक बजट अंतर्गत किए गए खर्च की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष के बजटीय प्रावधान के समक्ष खर्च में हुई वृद्धि पर संतोष व्यक्त किया।

इतना ही नहीं; उन्होंने सभी विभागों को उनका आयोजन अधिक सुदृढ़ करके निर्धारित प्रक्रिया समय पर पूर्ण हो एवं आगामी वर्ष की पहली तिमाही में खर्च में अधिक सुधार हो; इसके लिए भी दिशा-निर्देश दिए।

इस बैठक में वित्त मंत्री श्री कनुभाई देसाई, परिवहन तथा वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री प्रवीणभाई माळी, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया, मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री एस. एस. राठौड़, सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव सहभागी हुए।

मुख्यमंत्री का विभागों को और अधिक सुदृढ़ आयोजन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने का सुझाव

अर्बन डेवलपमेंट द्वारा गठित क्वॉलिटी सेल की तरह अन्य विभागों को भी क्वॉलिटी एश्योरेंस के लिए कदम उठाने के दिशा-निर्देश

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने बजट आवंटन के समक्ष राज्य सरकार के विभागों द्वारा हुए खर्च की समीक्षा कर आवश्यक मार्गदर्शन देने के लिए शुरू किए गए उपक्रम में आयोजित पूर्व की बैठक में हुए सुझावों के संदर्भ में खर्च की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की सर्वग्राही समीक्षा भी की।

उन्होंने विशेषकर इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए सिस्टमैटिक टेस्टिंग तथा क्वॉलिटी मॉनिटरिंग करने का सुझाव देते हुए दिशा-निर्देश दिए कि यदि ऐसे प्रोजेक्ट्स में कोई भी विसंगति ध्यान में आए, तो उस पर कड़े कदम उठाए जाएँ।

उन्होंने जोड़ा कि शहरी विकास विभाग द्वारा जिस प्रकार क्वॉलिटी सेल बनाया गया है, उसी प्रकार अन्य विभाग भी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएँ।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि व्यक्तिगत लाभार्थियों को सहायता प्रदान करने वाली सभी योजनाएँ समय पर लागू की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति तथा अन्य सहायता, वृद्धावस्था पेंशन और विधवा सहायता पेंशन वास्तव में पात्रता रखने वाले वास्तविक लाभार्थियों को समय पर सहायता-लाभ मिलें।

उन्होंने हिमायत की कि सम्बद्ध विभाग ऐसी योजनाओं का सुचारु क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए अपने पास उपलब्ध डेटा का उपयोग करे। उन्होंने निर्देश दिया कि केन्द्र पुरस्कृत योजनाओं के प्रावधानों के समक्ष समय पर खर्च करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाए और उसके बाद के आनुषांगिक कार्य पूर्ण कर भारत सरकार की ओर से अधिकतम फंड प्राप्त करने का जरूरी फॉलोअप लिया जाए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सम्बद्ध विभागों के वरिष्ठ सचिवों को वास्तविक लाभार्थी तक लाभ पहुँचे; इस प्रकार कार्य करने और जो प्रोजेक्ट प्लानिंग स्टेज पर हो, उसे तेजी से पूर्ण कर सच्चे अर्थ में क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

वित्त विभाग के प्रधान सचिव ने इस समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी का आभार व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि वित्त विभाग सहित सभी विभाग गुणवत्तायुक्त तथा समय पर खर्च सुनिश्चित करने के सघन प्रयास करेंगे।

पश्चिम रेलवे चलायेगी साबरमती और शकूर बस्ती (दिल्ली) के बीच क्रिसमस स्पेशल ट्रेन

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा क्रिसमस त्यौहार के मद्देनजर यात्रियों की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए साबरमती और शकूर बस्ती (दिल्ली) के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। इस ट्रेन का विवरण निम्ननानुसार है:

ट्रेन संख्या 09497/09498 साबरमती-शकूर बस्ती (दिल्ली) स्पेशल (4 फेरे)

ट्रेन संख्या 09497 साबरमती-शकूर बस्ती स्पेशल 22 और 24 दिसंबर 2025 को साबरमती से 22.55 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 15.15 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09498 शकूर बस्ती–साबरमती स्पेशल 23 और 25 दिसंबर 2025 को शकूर बस्ती से 21.00 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 12.20 बजे साबरमती पहुंचेगी। मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, मारवाड़ जं., अजमेर, जयपुर, अलवर, रेवाड़ी, गुडगाँव एवं दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सभी कोच एसी 3-टियर (हमसफर) श्रेणी के रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09497 की बुकिंग 19 दिसंबर 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अंतर विद्यालयीन काव्य प्रतियोगिता 'अटल काव्यांजलि' का आयोजन

(जीएनएस)। भारतीय स्टेट बैंक, आंचलिक कार्यालय, सूरत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न कवि अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशती के उपलक्ष्य में सूरत महानगर के विद्यालयों के बीच दिनांक 18 दिसंबर 2025 को एक भव्य काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्या कुंज इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंड्री स्कूल में संपन्न हुआ, जिसमें 9-10 वीं कक्षा के 64 तथा 11-12 वीं कक्षा के लगभग 82 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया जिसमें दिव्याङ्ग 82 छात्र-छात्राएँ भी शामिल थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, गांधीनगर के उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी श्री विक्रम झा थे। अपने उद्बोधन में श्री झा ने कहा कि हम जनता के पैसों की ही रक्षा नहीं करते, अपितु समय-समय पर भारत की सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा का दायित्व भी लेते हैं। आज का कार्यक्रम इसी दिशा में एक कड़ी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सूरत एसबीआई आंचलिक कार्यालय के उप महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार ने बच्चों को वैदिक गणित की प्रासंगिकता और उसके महत्व से परिचित कराया और कहा कि ये हमारी धरोहर हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक श्री विकास कुमार ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक विद्यार्थियों के हर संभव सहयोग हेतु सदैव तत्पर है।

विद्या कुंज इंग्लिश मीडियम स्कूल के निदेशक श्री महेशभाई पटेल ने कहा कि माननीय अटल बिहारी वाजपेयी प्रखर राष्ट्र चिंतक और महान कवि थे। उनकी जन्मशती पर ऐसे सुरुचिपूर्ण कार्यक्रम का अपने विद्यालय में आयोजन कराना हमारा सौभाग्य है। कार्यक्रम के संयोजक एवं एसबीआई के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) श्री संजीव पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय स्टेट बैंक समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करता रहेगा।

अगले सत्र में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं पर आधारित काव्य-पाठ प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया और प्रतिभागियों को राष्ट्रीयता के यज्ञ में समर्पित होने की प्रेरणा दी गई। प्रतिभागियों ने अटल बिहारी वाजपेयी जी की विविध कविताओं का भावपूर्ण पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। निर्णायक के रूप में बैंक के सेवानिवृत सहायक महाप्रबंधक(राजभाषा) श्री ओम प्रकाश तिवारी, गांधीनगर से पधारी एसबीआई की मुख्य प्रबंधक(राजभाषा) सुश्री प्रमेधा पाण्डेय, यूको बैंक के राजभाषा अधिकारी श्री शिवम उपाध्याय तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की राजभाषा अधिकारी सुश्री रिंकी मुआनिया थीं। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेताओं को अतिथियों के कर कमलों से पुरस्कृत किया गया। विद्या कुंज इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्रिंसिपल सुश्री रीना गज्जर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09704/09703 बांद्रा टर्मिनस – जयपुर स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09704 बांद्रा टर्मिनस – जयपुर स्पेशल शुक्रवार, 26 दिसंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 10:15 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 07:30 बजे जयपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09703 जयपुर – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025 को जयपुर से 08:10 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 07:25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, विक्रमगढ़ आलोट, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर एवं दुर्गापुरा स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकेंड क्लास के कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09704 की बुकिंग 20 दिसम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

गांधीधाम-केएसआर बैंगलुरु एक्सप्रेस और जोधपुर-केएसआर बैंगलुरु एक्सप्रेस ट्रेनों के नंबरो में परिवर्तन

(जीएनएस)। यात्रियों की सुविधा बढ़ाने एवं यात्रा समय में कमी लाने के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा गांधीधाम-केएसआर बैंगलुरु एक्सप्रेस और जोधपुर-केएसआर बैंगलुरु एक्सप्रेस ट्रेनों की गति बढ़ाकर सुपरफास्ट एक्सप्रेस श्रेणी में उन्नत करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, इन ट्रेनों के ट्रेन नंबरों में भी संशोधन किया गया है। विवरण निम्नानुसार है:

- दिनांक 24.02.2026 से ट्रेन संख्या 16505 20685 गांधीधाम – केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस के रूप में चलेगी।
- दिनांक 21.02.2026 से ट्रेन संख्या 16506 20686 केएसआर बेंगलुरु – गांधीधाम एक्सप्रेस के रूप में चलेगी।
- दिनांक 26.02.2026 से ट्रेन संख्या 16507 20693 जोधपुर – केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस के रूप में चलेगी।
- दिनांक 23.02.2026 से ट्रेन संख्या 16508 20694 केएसआर बेंगलुरु – जोधपुर एक्सप्रेस के रूप में चलेगी।

सुपरफास्ट एक्सप्रेस श्रेणी में उन्नयन के फलस्वरूप ट्रेनों की गति एवं समय-सारिणी में सुधार होगा, जिससे यात्रियों को तेज एवं बेहतर रेल सेवा का लाभ मिलेगा।

यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा की योजना बनाते समय संशोधित ट्रेन नंबरों का ध्यान रखें। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मोरबी में प्रभारी मंत्री श्री त्रिकमभाई छांगा की अध्यक्षता में वाइब्रेंट कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई

- 2470 करोड़ रुपए के नए पूंजी निवेश से मोरबी के विकास की रफ्तार और तेज बनेगी
- 50 एमओयू में मौके पर सांकेतिक रूप से पाँच उद्यमियों ने एमओयू किए
- वाइब्रेंट गुजरात समिट के आयोजन से विश्व के उद्यमी गुजरात की ओर आकर्षित हुए
- मोरबी के उद्योगकार, उद्यमी तथा श्रमिक मेहनती और सरकार की औद्योगिक नीति के परिणामस्वरूप मोरबी का विकास हुआ : प्रभारी मंत्री श्री त्रिकमभाई छांगा
- ऊर्जा राज्य मंत्री श्री कौशिकभाई वेकरिया की प्रेरक उपस्थिति

(जीएनएस)। मोरबी : मोरबी में केशव बैंक्वेट हॉल में जिला स्तरीय वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस प्रभारी मंत्री श्री त्रिकमभाई छांगा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस वाइब्रेंट कॉन्फ्रेंस में जिला उद्योग केन्द्र तथा 50 कंपनियों के बीच 2470 करोड़ रुपए के एमओयू हुए, जिनमें मौके पर सांकेतिक रूप से पाँच उद्यमियों ने एमओयू किए। इस अवसर पर मंत्री, महानुभावों तथा अधिकारियों ने उद्यमियों को शुभकामनाएँ दीं। गुजरात में आयोजित होने वाली वाइब्रेंट समिट देश के अन्य राज्यों के लिए अध्ययन का विषय है, तब राज्य सरकार द्वारा गुजरात के जिलों में तथा रीजनल स्तर पर वाइब्रेंट कॉन्फ्रेंस आयोजित किए जाने से स्थानीय स्तर पर रहे उद्योगों को अधिक गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर अनेक लोगों को रोजगार मिलेगा। जिला प्रभारी तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री त्रिकमभाई छांगा ने वाइब्रेंट गुजरात के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उम्दा विचार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात जैसे आयोजनों से विश्व के उद्योगकार-उद्यमी गुजरात की ओर मुड़े हैं। निवेश केवल कागज पर नहीं, बल्कि जमीन पर उतर रहा है। इसी कारण गुजरात की धरती उद्योग एवं रोजगार देने में अग्रसर है। राज्य सरकार ने औद्योगिक प्रगति में आड़े आने वाले अवरोधों को दूरकर उद्योगों को विकास का पूरक बनाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन से हम पर्यावरण संरक्षण के साथ औद्योगिक विकास कर रहे हैं।

उन्होंने मोरबी के उद्यमियों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में ऐसा ही उत्साह जरूरी है। उन्होंने विशेष उल्लेख किया कि मोरबी में विभिन्न उद्योगों के विकास के लिए सरकार ने पिछले दो वर्ष में 1200 से अधिक उद्योगों को 460 करोड़ रुपए से अधिक राशि की सहायता दी है।

उन्होंने कहा कि घड़ी तथा सिरामिक उद्योग की तरह खिलौना उद्योग भी मोरबी में सफल हो रहा है। यहाँ के उद्योगकार बहुत ही साहसी एवं श्रमिक बहुत मेहनती होने के कारण मोरबी का विकास वैश्विक पहचान बना है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रशासन तथा सरकार उद्यमियों की समस्याओं का निरावण करने को कटिबद्ध है।

ऊर्जा राज्य मंत्री श्री कौशिकभाई वेकरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वरा गुजरात में शुरू की गई वाइब्रेंट समिट आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जारी रखी है, जिससे गुजरात के उद्योगकारों को तो लाभ होगा ही, स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। मोरबी उद्योग नगरी है। यहाँ के सिरामिक, घड़ी आदि उद्योग वैश्विक पहचान बने हैं। जिला स्तरीय वाइब्रेंट कॉन्फ्रेंस उद्योगकारों से एमओयू के साथ उद्योगकारों को परेशान करने वाली समस्याओं के निवारण का माध्यम भी बनेगी। राजकोट में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में अधिक से अधिक उद्योगकारों को भाग लेने तथा मोरबी जिले के अधिक से अधिक एमओयू हो; इसके लिए उन्होंने सरकार की ओर से लोगों को आमंत्रण दिया।

विधायक श्री दुर्लभजीभाई देथरिया ने कहा कि गुजरात की अनेक क्षेत्रों में प्रगति हुई है, जिसमें वाइब्रेंट गुजरात का योगदान अमूल्य है। मोरबी का औद्योगिक क्षेत्र में विशेष स्थान है। ऐसे में जिले में अधिक से अधिक निवेश आए; इस दिशा में कार्य हो रहा है। उद्योगों को वांछित सुविधाएँ देने को सरकार तत्पर है। ऐसे में उन्होंने वैश्विक स्तर पर मोरबी के उद्योगों को अधिक से अधिक संज्ञान में लिए जाने की शुभकामनाएँ दीं।

जिला कलेक्टर श्री के. बी. झवेरी ने महानुभावों तथा उद्योगकारों का स्वागत करते हुए कहा कि मोरबी के उद्योगकार साहस से भरे हुए हैं। लगभग तीन हजार कारखानों से अनेक लोगों को रोजगार मिल रहा है। वाइब्रेंट समिट में समग्र गुजरात में मोरबी शीर्ष पर रहे; वह क्षमता यहाँ विद्यमान है। मोरबी में सिरामिक, कोयला, पेपर मिल, घड़ी, नमक आदि उद्योग अधिक से अधिक फले-फूलें; इसके लिए प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग दिए जाने का उन्होंने आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मोरबी जिले में हजारों श्रमिक रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने उद्योगों में दुर्घटना निवारण मशीन रखरखाव में गुणवत्तापूर्ण सामग्री के उपयोग की उद्योगपतियों से अपील की।

चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री जयंतीभाई पटेल ने मोरबी में आयोजित कॉन्फ्रेंस में सबका स्वागत करते हुए कहा कि मोरबी के औद्योगिक क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति हुई है। मोरबी के विकास में उद्यमी, श्रमिक, राज्य सरकार, स्थानीय पदाधिकारी तथा प्रशासन का बहुत सहयोग रहा है। उन्होंने कहा कि इस वाइब्रेंट कॉन्फ्रेंस में उद्योगकारों के पास एमओयू के साथ ही उनकी समस्याएँ प्रस्तुत करने का अवसर है। विधायक श्री प्रकाश वरमोरा ने प्रासंगिक संबोधन में वाइब्रेंट गुजरात पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुजरात सरकार की औद्योगिक नीति एवं विकास के विजन से राज्य निरंतर प्रगति कर रहा है। राज्य तथा देश के विकास में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन से हमारा जीवन स्तर ऊँचा आया है। उन्होंने पॉजिटिविटी तथा क्रिएटिविटी के साथ आगे बढ़कर, अच्छी आय के साथ अच्छा स्वास्थ्य एवं अच्छा-लंबा जीवन जीने के लिए निरंतर एक्टिव रहने का अनुरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने उद्योगपतियों से स्किल, नॉलेज तथा अभ्यास बढ़ाने का आह्वान किया। अपर उद्योग आयुक्त श्री आर. एन. डोडिया ने प्रासंगिक प्रवचन करते हुए प्रेजेंटेशन दिया और मोरबी जिले में निवेश के अवसरों, राजकोट में आयोजित होने वाली वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस की विस्तृत जानकारी देकर उद्योगपतियों को उसका अधिकतम लाभ लेने का मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री त्रिकमभाई छांगा तथा महानुभावों के करकमलों से लाभार्थी उद्योगकारों को सहायता का वितरण हुआ। कार्यक्रम के आरंभ में महानुभावों ने वोकल फॉर लोकल प्रदर्शनी का उद्घाटन कर स्टॉलधारकों से वार्तालाप किया। यहाँ सिरामिक पेपर कप डिश, फैशन डिजाइनिंग, इलेक्ट्रिक्स पार्ट्स सहित 18 स्टॉल लगाए गए थे। दूसरे सत्र में जीएसटी, जेम, इंसेंटिव लेबर कानून के बारे में विशेषज्ञों का परिसंवाद आयोजित हुआ। इस अवसर पर उपस्थितों ने वाइब्रेंट गुजरात की वीडियो क्लिप देखी। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी श्री शैलेषचंद्र भट्टा, मनपा आयुक्त श्री स्वप्निल खरे, जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक श्री एस. बी. पारेजिया, पूर्व मंत्री श्री ब्रिजेशभाई मेरजा, अग्रणी, उद्योगकार, उद्योग गृहों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मोरबी में आयोजित वाइब्रेंट कॉन्फ्रेंस में 2470 करोड़ रुपए के 50 एमओयू हुए। इनमें से 1024 करोड़ रुपए के पाँच एमओयू मौके पर सांकेतिक रूप से किए गए। मौके पर किए गए पाँच एमओयू में 500 करोड़ रुपए के निवेश के साथ सिमेंट प्रोजेक्ट, 400 करोड़ रुपए का रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट, 100 करोड़ रुपए के निवेश के साथ फाइबर सेक्टर में एमओयू शामिल हैं।

20 दिसंबर 2025 को आदरज मोटी–विजापुर रेल खंड पर स्पीड ट्रायल,सभी से रेल पटरी से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर आदरज मोटी–विजापुर गेज परिवर्तित परियोजना के अंतर्गत आदरज मोटी–विजापुर सेक्शन में नई परिवर्तित ब्रॉडगेज रेलवे लाइन (किमी 6/4 से किमी 45/1) पर दिनांक 20 दिसंबर 2025 को दोपहर 12.00 बजे से 14.00 बजे के दौरान अधिकतम 135 किमी प्रति घंटे की गति से लाइट इंजन का स्पीड ट्रायल किया जाएगा।

स्पीड ट्रायल रेलवे की एक अनिवार्य तकनीकी प्रक्रिया है, जो रेल परिचालन प्रारंभ करने से पूर्व ट्रैक की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं स्थिरता की जांच के लिए किया जाता है। इस दौरान ट्रैक पर विभागीय ट्रेनें, मापन यंत्र तथा तकनीकी टीमें कार्यरत रहेंगी।

आम जनता, मजदूरों, किसानों एवं स्थानीय निवासियों से विशेष अनुरोध है कि वे रेलवे ट्रैक के समीप न जाएँ, किसी भी स्थिति में ट्रैक पार न करें तथा बच्चों एवं पशुओं को रेल लाइन से दूर रखें।

यह नई रेल लाइन क्षेत्र की जनता को बेहतर रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास को भी नया आयाम प्रदान करेगी।

पत्थरों में सांस भरने वाला साधक विदा हुआ, स्मारकों में अमर रहेगा राम वी सुतार का युग

(जीएनएस)। मुंबई। मूर्तिकला को जीवन साधना मानने वाले, बापू को प्रेरणा और भारत को अपनी कर्मभूमि मानने वाले शतायु शिल्पकार राम वी सुतार अब चिरनिद्रा में लीन हो गए हैं। गुरुवार की सुबह जब उन्होंने इस संसार से विदाई ली, तब उनकी उम्र 100 वर्ष थी, लेकिन उनकी सक्रियता, सृजनशीलता और जिजीविषा आज के युवाओं को भी चुनौती देती थी। कुछ वर्ष पहले एक विदेशी मीडिया को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि मूर्तिकला चित्रकला जैसी नहीं होती, इसमें कठोर शारीरिक मेहनत लगती है, लेकिन उन्हें लगता है कि वे अभी लंबे समय तक काम कर सकते हैं। यह कथन केवल शब्द नहीं था, बल्कि उनके जीवन का सत्य था, क्योंकि निधन से महज कुछ दिन पहले तक वे अपने शिल्प में रमे हुए थे। लगभग बीस दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा में भगवान श्रीराम की जिस भव्य प्रतिमा का अनावरण किया था, उसकी संकल्पना और निर्माण राम वी सुतार ने ही किया था। यानी जीवन के अंतिम क्षणों तक उन्होंने पत्थर, मिट्टी और धातु से संवाद नहीं छोड़ा। राम वी सुतार का

जीवन केवल एक कलाकार की कहानी नहीं, बल्कि साधना, संघर्ष और राष्ट्रबोध से भरी एक तपस्वी यात्रा थी। उनका जन्म 1925 में उत्तरी महाराष्ट्र के एक छोटे से गांव में हुआ। पिता बढ़ई और लोहार का काम करते थे। बचपन में सुविधाएं सीमित थीं, लेकिन कल्पनाएं असीम। कच्चे घर की दीवारों पर गोबर से भित्तिचित्र बनाना उनका पहला अभ्यास था। स्कूल की स्लेट पर उकेरी गई एक हिंदू देवी की आकृति ने उन्हें पहली पहचान दिलाई, जब उसी चित्र के लिए मुंबई की एक कला प्रतियोगिता में उन्हें पुरस्कार मिला। दोस्तों की आर्थिक मदद से वे देश के प्रतिष्ठित जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स पहुंचे, जहां उनकी प्रतिभा को दिशा मिली। एलोरा और अजंता की गुफाओं में प्राचीन मूर्तियों के संरक्षण का काम करते हुए उन्होंने भारतीय शिल्प परंपरा की गहराई को आत्मसात किया।

उनके जीवन का पहला बड़ा मोड़ तब आया, जब उन्होंने उत्तरी भारत में एक बांध के पास 45 फीट ऊंची नदी देवी की प्रतिमा बनाने का काम मात्र दस हजार रुपये में स्वीकार कर लिया। लोगों को भरोसा नहीं था कि यह दुबला-पतला कलाकार इतना विशाल काम कर पाएगा। लेकिन राम सुतार अपनी पत्नी और छोटे बेटे के साथ उस दूरदराज इलाके में चले गए और करीब 18 महीनों तक कंक्रीट और पत्थर से जूझते रहे। इसी संघर्ष से जन्मी मध्य प्रदेश के गांधी सागर बांध पर स्थापित 'माता चंबल' की प्रतिमा ने उन्हें देशव्यापी पहचान दिलाई। चंबल नदी, जिसे अक्सर बीहड़ों और भय के प्रतीक के रूप में देखा जाता था, राम सुतार के हाथों एक करुणामयी मां में बदल गई। युवती के रूप में गढ़ी गई चंबल माता, जिनके हाथ में जल से भरा दिव्य घड़ा है और दोनों ओर प्रतीक रूप में मध्य प्रदेश और राजस्थान रूपी दो बालक खड़े हैं, यह प्रतिमा केवल कला नहीं थी, बल्कि दर्शन थी। एक ही चट्टान से तराशी गई 45 फीट ऊंची यह आकृति आज भी बताती है कि राम सुतार ने प्रकृति, संस्कृति और प्रतीक को किस गहराई से समझा।

उनकी कला की दुनिया महापुरुषों से आबाद रही। महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, दीनदयाल उपाध्याय, छत्रपति शिवाजी महाराज – ये सभी उनकी मूर्तियों में केवल चेहरे नहीं, बल्कि विचार बनकर खड़े दिखाई देते हैं। संसद परिसर में स्थापित गांधी की ध्यानमग्न प्रतिमा हो या घोड़े पर सवार शिवाजी महाराज की ओजस्वी आकृति, हर जगह उन्होंने देह से पहले विचार को उकेरा। अयोध्या में कुबेर टीला पर स्थापित कांसे की जटायु प्रतिमा भी उनके ही हाथों की कृति है। लेकिन उनकी रचनात्मक यात्रा में सबसे गहरी छाप महात्मा गांधी की रही। गांधी उनके लिए केवल एक ऐतिहासिक पुरुष नहीं, बल्कि नैतिक ऊर्जा का स्रोत थे। राम सुतार ने गांधी की प्रतिमाएं भारत के लगभग 450 शहरों में बनाई और कई देशों में भी स्थापित कीं। यह उनकी कला की नहीं, बल्कि गांधीवादी विचारों की वैश्विक यात्रा की कहानी है।

राम वी सुतार ने अपने सौ वर्षों के जीवन में 400 से अधिक स्मारकों और प्रतिमाओं का निर्माण किया। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में सरदार पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा ने भारत की पहचान को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई दी। इस परियोजना ने उन्हें एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि उम्र केवल संख्या होती है, साधना और संकल्प हों तो शिल्प अमर हो जाता है।

उनके निधन के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया कि इस महान शिल्पकार का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाए। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे तुरंत स्वीकार किया और नोएडा में उनके पार्थिव शरीर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्वयं उनके पुत्र से फोन पर बात कर शोक संवेदना प्रकट की।

कला के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए राम वी सुतार को 1999 में पद्म श्री और 2016 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। 2024 का महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार भी उनके नाम घोषित किया गया। लेकिन इन सम्मानों से कहीं बड़ा सम्मान वह अमरता है, जो उन्हें उनकी कृतियों ने दी है।

राम वी सुतार अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी उंगलियों से तराशे गए पत्थर, धातु और मिट्टी आज भी सांस लेते हैं। वे बापू को मानने वाले शिल्पकार थे, जिन्होंने मूर्तियों के जरिए राष्ट्र की आत्मा को आकार दिया। उनका जाना एक युग का अंत है, लेकिन उनके स्मारक आने वाली पीढ़ियों को बताते रहेंगे कि एक साधक कैसे पत्थर में भी जीवन खोज लेता है।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) कच्छ-सौराष्ट्र अंतर्गत 19 से 21 दिसंबर, 2025 के दौरान पाँच जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन

पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, भावनगर, बोटाद तथा सुरेन्द्रनगर में विकास एवं निवेश के नए अवसर

(जीएनएस)। गांधीनगर : वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) कच्छ-सौराष्ट्र अंतर्गत राज्य के विभिन्न जिलों में उद्योग, निवेश एवं रोजगार सृजन को प्रोत्साहन देने के लिए जिला स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, भावनगर, बोटाद तथा सुरेन्द्रनगर जिलों विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। पोरबंदर जिले में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) कच्छ-सौराष्ट्र अंतर्गत 19 दिसंबर, 2025 को विभिन्न कार्यक्रम आरंभ होंगे और दूसरे दिन 20 दिसंबर को भी सेमिनार का आयोजन किया गया है तथा 21 दिसंबर तक प्रदर्शनी आयोजित होगी। ये सभी कार्यक्रम ताजवाला हॉल तथा नटवर सिंहजी क्लब ग्राउंड में आयोजित किए गए हैं; जिसमें ब्लू बायो-इकोनॉमी विकास का रोडमैप, एग्री तथा फूड प्रोसेसिंग कॉन्क्लेव और महिला सशक्तिकरण के लिए 'सशक्त नारी मेला' तथा 'प्रदर्शनी' आयोजित होंगे। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री कुँवरजीभाई बावळिया सहित केबिनेट मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया, केन्द्रीय मंत्री श्री मनसुखभाई मांडविया, अपर उद्योग आयुक्त (एक्सटेंशन) श्री आर. एन. डोडिया (आईएएस) विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। देवभूमि द्वारका जिले में जाम खंभाळिया में 19 दिसंबर, 2025 को दोपहर 3 बजे आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री कुँवरजीभाई बावळिया उपस्थित रहकर प्रासंगिक संबोधन देंगे और उद्योग आयुक्त श्री पी. स्वरूप (आईएएस) विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ये एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थानीय उद्योगों को मजबूत बनाते हैं। भावनगर में इस्कॉन क्लब एंड रिसोर्ट में 19 दिसंबर, 2025 को सुबह 10.30 बजे आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी सचिव तथा प्रभारी मंत्री श्री कौशिकभाई वेकरिया सहित जियोलॉजी एंड माइनिंग के आयुक्त डॉ. धवल पटेल (आईएएस) विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वे वीजीआरसी के विषय में प्रस्तुति देकर खनिज क्षेत्र, औद्योगिक विकास तथा राज्य की नीतियों पर मार्गदर्शन देंगे, जो उद्योगकारों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। बोटाद जिले में 19 दिसंबर, 2025 को सुबह 10 बजे आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्रीमती रीवाबा जाडेजा सहित गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) की उपाध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक सुश्री प्रवीणा डी. के. की उपस्थिति रहेगी। वे औद्योगिक विकास, औद्योगिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा निवेश अवसरों पर मार्गदर्शन देंगी, जिसके जरिये स्थानीय एमएसएमई तथा स्टार्टअप्स को नई दिशा मिलेगी। सुरेन्द्रनगर जिले में पंडित दीनदयाल उपाध्याय टाउन हॉल में 19 दिसंबर, 2025 को सुबह 10.30 बजे आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला प्रसंगोचित संबोधन करेंगी और कुटीर एवं ग्रामोद्योग सचिव तथा आयुक्त सुश्री आर्द्रा अग्रवाल (आईएएस) द्वारा रीजनल कॉन्फ्रेंस पर विशेष प्रस्तुति की जाएगी। यहाँ स्टार्टअप, इनोवेशन, एमएसएमई तथा सरकारी योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। इन सभी जिला स्तरीय कार्यक्रमों में सफल उद्योगकारों के अनुभव संबंधी संवाद, एमओयू साइनिंग, चेक वितरण, स्टार्टअप तथा एमएसएमई के लिए उपयोगी परिसंवादों और प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया है। वीजीआरसी अंतर्गत आयोजित हो रही यह पहल सरकार, उद्योगों तथा निवेशकों के बीच संवाद मजबूत बनाकर 'विकसित गुजरात@2047' के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

डिजिटल भुगतान की दुनिया में नया अध्याय, एक्सिस बैंक और गूगल पे ने पेश किया 'फ्लेक्स' क्रेडिट कार्ड

(जीएनएस)। नई दिल्ली/नागपुर। भारत में डिजिटल भुगतान की तेजी से बदलती तस्वीर के बीच एक्सिस बैंक और गूगल पे ने एक नया और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दोनों ने मिलकर देश का पहला यूपीआई आधारित को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड 'गूगल पे फ्लेक्स एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड' लॉन्च किया है, जिसे खासतौर पर डिजिटल-फर्स्ट यूज़र्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह कार्ड पारंपरिक क्रेडिट कार्ड और यूपीआई भुगतान की दुनिया को एक साथ जोड़ता है, जिससे रोजमर्रा के लेन-देन और भी आसान, तेज और लाभकारी बन सकें। यह नया डिजिटल 'फ्लेक्स' क्रेडिट कार्ड पूरी तरह से ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए उपलब्ध कराया जा रहा है। यूज़र्स गूगल पे ऐप के माध्यम से मिनटों में आवेदन कर सकते हैं, बिना किसी लंबी कागजी प्रक्रिया के। डिजिटल वेरिफिकेशन के बाद कार्ड तुरंत एक्टिव हो जाता है, जिससे यूज़र तुरंत इसका इस्तेमाल शुरू कर सकते हैं। खास बात यह है कि इस कार्ड के जरिए किए गए हर ट्रांजैक्शन पर यूज़र्स को तुरंत रिवॉर्ड पॉइंट्स मिलते हैं, जिन्हें 'स्टार्स' नाम दिया गया है। ये स्टार्स भविष्य में अलग-अलग ऑफर्स और लाभों के रूप में इस्तेमाल किए जा सकेंगे, जिससे हर भुगतान एक तरह से रिवॉर्डेड अनुभव बन जाता है। इस कार्ड की एक बड़ी खासियत इसकी फ्लेक्सिबिलिटी है। यूज़र्स अपने बड़े खर्चों को आसानी से ईएमआई में बदल सकते हैं, जिससे अचानक आए खर्चों का बोझ कम होता है और वित्तीय योजना बनाना आसान हो जाता है।

सोना वायदा में 619 रुपये और चांदी वायदा में 1290 रुपये की गिरावटः क्रूड ऑयल वायदा 22 रुपये फिसला

कमोडिटी वायदाओं में 21252.04 करोड़ रुपये और कमोडिटी ऑप्शंस में 69917.37 करोड़ रुपये का दर्ज हुआ टर्नओवर

सोना-चांदी के वायदाओं में 17740.71 करोड़ रुपये का हुआ कारोबारः बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स फ्यूचर्स 33185 पॉइंट के स्तर पर

(जीएनएस)। मुंबईः देश के अग्रणी कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर कमोडिटी वायदा, ऑप्शंस और इंडेक्स फ्यूचर्स में 91181.97 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज हुआ। कमोडिटी वायदाओं में 21252.04 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जबकि कमोडिटी ऑप्शंस में 69917.37 करोड़ रुपये का नॉशनल टर्नओवर हुआ। बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स का दिसंबर वायदा 33185 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था। कमोडिटी ऑप्शंस में कुल प्रीमियम टर्नओवर 1149.24 करोड़ रुपये का हुआ।

कीमती धातुओं में सोना-चांदी के वायदाओं में 17740.71 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। एमसीएक्स सोना फरवरी वायदा सत्र के आरंभ में 134736 रुपये के भाव पर खूलकर, 134770 रुपये के दिन के उच्च और 134166 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 134894 रुपये के पिछले बंद के सामने 619 रुपये या 0.46 फीसदी लुढ़ककर 134275 रुपये प्रति 10 ग्राम बोला गया। गोल्ड-गिनी दिसंबर वायदा 361 रुपये या 0.33 फीसदी घटकर 107512 रुपये प्रति 8 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। गोल्ड-पेटल दिसंबर वायदा 24 रुपये या 0.18 फीसदी घटकर 13466 रुपये प्रति 1 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। सोना-मिनी जनवरी वायदा 133117 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 133167 रुपये और नीचे में 132582 रुपये पर पहुंचकर, 416 रुपये या 0.31 फीसदी घटकर 132699 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। गोल्ड-टेन दिसंबर वायदा प्रति 10 ग्राम 133313 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 133420 रुपये और नीचे में 132908 रुपये पर पहुंचकर, 133373 रुपये के पिछले बंद के सामने 320 रुपये या 0.24 फीसदी घटकर 133053 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था।

चांदी के वायदाओं में चांदी मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 206526 रुपये के भाव पर खूलकर, 207060 रुपये के दिन के उच्च और 205381 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 207435 रुपये के पिछले बंद के सामने 1290 रुपये या 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ 206145 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा था। इनके अलावा चांदी-मिनी फरवरी वायदा 1155 रुपये या 0.56 फीसदी औंधकर 206735 रुपये प्रति किलो पर आ गया। जबकि चांदी-माइक्रो फरवरी वायदा 1071 रुपये या 0.52 फीसदी गिरकर 206789 रुपये प्रति किलो हुआ।

मेटल वर्ग में 1554.11 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। तांबा दिसंबर वायदा 1.8 रुपये या 0.16 फीसदी घटकर 1111.55 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि जस्ता दिसंबर वायदा 1.85 रुपये या 0.61 फीसदी की गिरावट के साथ 302.4 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके सामने एल्यूमीनियम दिसंबर वायदा 45 पैसे या 0.16 फीसदी की नरमी के साथ 281.1 रुपये प्रति किलो पर आ गया। जबकि सीसा दिसंबर वायदा 15 पैसे या 0.08 फीसदी बढ़कर 180.8 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था।

इन जिंसों के अलावा कारोबारियों ने एनर्जी सेगमेंट में 1948.65 करोड़ रुपये के सौदे किए। एमसीएक्स क्रूड ऑयल दिसंबर वायदा 5092 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 5108 रुपये और नीचे में 5054 रुपये पर पहुंचकर, 22 रुपये या 0.43 फीसदी घटकर 5059 रुपये प्रति बैरल के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि क्रूड ऑयल-मिनी दिसंबर वायदा 23 रुपये या 0.45 फीसदी गिरकर 5057 रुपये प्रति बैरल के भाव पर पहुंचा। इनके अलावा नैचुरल गैस दिसंबर वायदा 368 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 371 रुपये और नीचे में 365.5 रुपये पर पहुंचकर, 362.9 रुपये के पिछले बंद के सामने 7.6 रुपये या 2.09 फीसदी बढ़कर 370.5 रुपये प्रति एमएमबीटीयू के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि नैचुरल गैस-मिनी दिसंबर वायदा 7.5 रुपये या 2.07 फीसदी की तेजी के संग 370.3 रुपये प्रति एमएमबीटीयू हुआ।

कृषि जिंसों में मेंथा ऑयल दिसंबर वायदा सत्र के आरंभ में 960 रुपये के भाव पर खूलकर, 23.1 रुपये या 2.4 फीसदी की गिरावट के साथ 938.5 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कारोबार की दृष्टि से एमसीएक्स पर सोना के विभिन्न अनुबंधों में 7465.92 करोड़ रुपये और चांदी के विभिन्न अनुबंधों में 10274.79 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। इसके अलावा तांबा के वायदाओं में 1246.58 करोड़ रुपये, एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम-मिनी के वायदाओं में 82.43 करोड़ रुपये, सीसा और सीसा-मिनी के वायदाओं में 14.92 करोड़ रुपये, जस्ता और जस्ता-मिनी के वायदाओं में 210.18 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इन जिंसों के अलावा क्रूड ऑयल और क्रूड ऑयल-मिनी के वायदाओं में 467.53 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। जबकि नैचुरल गैस और नैचुरल गैस-मिनी के वायदाओं में 1472.18 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। ओपन इंटरेस्ट सोना के वायदाओं में 16995 लोट, सोना-मिनी के वायदाओं में 77918 लोट, गोल्ड-गिनी के वायदाओं में 22156 लोट, गोल्ड-पेटल के वायदाओं में 348729 लोट और गोल्ड-टेन के वायदाओं में 37547 लोट के स्तर पर था। जबकि चांदी के वायदाओं में 16985 लोट, चांदी-मिनी के वायदाओं में 41381 लोट और चांदी-माइक्रो वायदाओं में 113531 लोट के स्तर पर था। क्रूड ऑयल के वायदाओं में 26041 लोट और नैचुरल गैस के वायदाओं में 41898 लोट के स्तर पर था। इंडेक्स फ्यूचर्स में बुलडेक्स दिसंबर वायदा सत्र के आरंभ में 33301 पॉइंट पर खूलकर, 33301 के उच्च और 33181 के नीचले स्तर को छूकर, 152 पॉइंट घटकर 33185 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

कमोडिटी ऑप्शंस ऑन फ्यूचर्स में क्रूड ऑयल जनवरी 5100 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति बैरल 3.7 रुपये की गिरावट के साथ 180.3 रुपये हुआ। जबकि नैचुरल गैस दिसंबर 370 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति एमएमबीटीयू 2.3 रुपये की बढ़त के साथ 11.7 रुपये हुआ।

सोना दिसंबर 135000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति 10 ग्राम 339.5 रुपये की गिरावट के साथ 1713 रुपये हुआ। इसके सामने चांदी दिसंबर 209000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 1296.5 रुपये की गिरावट के साथ 3849 रुपये हुआ। तांबा दिसंबर 1120 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 1.76 रुपये की गिरावट के साथ 10.43 रुपये हुआ। जस्ता दिसंबर 310 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 1.03 रुपये की गिरावट के साथ 2 रुपये हुआ।

पुट ऑप्शंस में क्रूड ऑयल जनवरी 5100 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति बैरल 5.5 रुपये की बढ़त के साथ 192.8 रुपये हुआ। जबकि नैचुरल गैस दिसंबर 370 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति एमएमबीटीयू 4.7 रुपये की गिरावट के साथ 11.9 रुपये हुआ।

सोना दिसंबर 130000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति 10 ग्राम 89 रुपये की बढ़त के साथ 549 रुपये हुआ। इसके सामने चांदी दिसंबर 205000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 334 रुपये की बढ़त के साथ 4993 रुपये हुआ। तांबा दिसंबर 1100 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 44 पैसे के सुधार के साथ 8.57 रुपये हुआ। जस्ता दिसंबर 295 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 42 पैसे के सुधार के साथ 1.6 रुपये हुआ।